ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष तीवदशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 327 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

25 मई 2025 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

35 अधिकतम

26 न्यूनतम

पहले गर्मी की लू उतारी अब नौतपे की बारी

आज नौतपा का बर्थ-डे, इस बार अपेक्षाकृत कूल क्योंकि मानसून कई राज्यों को अपनी जद में ले चुका

नई दिल्ली, भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एक ओर तो देश में तय समय से 8 दिन पहले ही मानसून पहुंच चुका है। वहीं मानसून की इस आमद के एक दिन बाद आज नौतपा शुरू हुआ है। दूसरी तरफ मौसम विभाग ने आज आधे देश यानी 21 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा उत्तराखंड में ओले गिरने की भी चेतावनी है। माना जा रहा है कि भीषण गर्मी के लिए मशहूर नौतपा इस बार अपेक्षाकृत कमजोर हो सकता है,क्योंकि बादल पानी आंधी का दौर लंबे समय से देशभर में चल रहा है। हालांकि मौसमी कमाल यह भी है कि कई राज्यों में भीषण गर्मी और बारिश साथ हो रही है। नेशनल अवार्ड प्राप्त सारिका घारू का कहना है कि नवतपा पृथ?वी के सूर्य के चारों ओर 365 दिन में परिक्रमा करने के कारण होने वाली कैलेंडर घटना है, जिसमें हर साल 25 मई को पृथ?वी इस स्थिति में पहुंच जाती है कि यहां से देखने पर सूर्य के पीछे आकाश में रोहिणी तारामंडल की स्थिति आ जाती है । तभी कहा जाता है कि सूर्य रोहिणी में प्रवेश कर गया।

यह ठीक उस प्रकार है जैसे जन्म दिन साल की किसी एक खास अंग्रेजी कैलेंडर की दिनांक पर आता है। हर साल 25 मई से लेकर 2 जून तक की 9 दिन की अवधि को नौतपा नाम दिया गया है । चूंकि हिन्दी कैलैंडर में तिथियां और महीना हर साल बदलता रहता है, इस कारण इसके आधार पर मनाये जाने वाले दीपावली, होली जैसे त्यौहार की दिनांक बदलती रहती है लेकिन सूर्य की परिक्रमा करती पृथ्वी की स्थिति पर आधारित त्यौहार लगभग उस ही दिनांक को आ जाते हैं जैसे मकर सक्रांति, नवतपा आदि । सारिका के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के इस दौर में गर्मी और नवतपा का सीधा संबंध कई बार नहीं देखा जाता है ।

दिल्ली में भारी बारिश से बाढ के हालात : कल मानसून की दस्तक केरल में हुई और आज सुबह दिल्लीवासी तेज अंधड और बारिश के शोर से हड़बड़ाकर जागे। कुछ ही देर में मिंटो रोड, मोती बाग और दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल-1 की सड़कों पर पानी भरने से बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। गनीमत है कि रविवार होने की वजह से सड़कों पर यातायात का दबाव कम है। मगर हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। इसके चलते 100 से ज्यादा फ्लाइट प्रभावित हुई। दिल्ली एयरपोर्ट ने बताया कि आधी रात के बाद से ही सुबह 4 बजे तक 49 फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं। उधर सटे हुए गाजियाबाद में आंधी-बारिश के चलते एसीपी ऑफिस में बने कमरे की छत गिर गई। इसमें सब इंस्पेक्टर वीरेंद्र मिश्रा की मौत हो गई।

मप्र में गर्मी व आंधी बारिश साथ-साथ

नौतपा में इस बार मप्र में आंधी-बारिश वाला मौसम रहेगा। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन मध्यप्रदेश में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। आज इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत 40 जिलों में तेज आंधी चलने और बारिश होने की संभावना है। आंधी की रफ्तार 30 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है। इससे पहले शनिवार को कई जिलों में मौसम बदला रहा।

सीबीआई ऑफिस में घुसकर एएसआई को बाण मारे

लखनऊ । सीबीआई दफ्तर की सुरक्षा में तैनात एएसआई को बाण मार कर घायल करने का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। आरोपी दिनेश मुर्मू ने एएसआई को पहला बाण मुख्य गेट पर मारा, जब बाण पेट में घुस गया तो एएसआई बचने के लिए अंदर भागे, लेकिन आरोपी वहां भी पहुंच गया और अंदर घुसकर दूसरा बाण भी मार दिया। इस घटना से दफ्तर की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों में भगदड़ मच गई। एक अन्य सुरक्षाकर्मी ने आरोपी को डंडे से पीटकर जमीन पर गिरा दिया व दबोच लिया। बाण मारने वाला आरोपी 50 वर्षीय दिनेश मुर्मू बिहार का रहने वाला है। पूछताछ में पता चला है किआरोपी दिनेश मुर्मू बिहार में रेलवे में नौकरी करता था, लेकिन करीब बीस साल पहले आक्रामक रवैए और गुस्से की वजह से रेलवे से बर्खास्त कर दिया गया था। साल 2005 में दिल्ली पुलिस के सिपाही से मारपीट में भी वह जेल जा चुका है।

'चुनाव कराए तो जनता संग मिलकर जवाबी एक्शन लेंगे'

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस और उनके साथियों ने अब साफ कहा है कि अगर उन पर चुनाव कराने या किसी और मुद्दे पर बेवजह दबाव बनाया गया, तो वे जनता के साथ मिलकर जवाबी कार्रवाई करेंगे। यह बयान तब आया जब सेना प्रमुख और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने दिसंबर तक चुनाव कराने की मांग की। दरअसल, पिछले नौ महीनों में बांग्लादेश, विशेषकर उसकी राजधानी ढाका, बड़े जनआंदोलनों और दर्जनों सड़कों पर प्रदर्शन का गवाह बना है। अब कहा गया, अगर कोई कार्रवाई सरकार की स्वायत्तता, सुधार प्रयासों, न्यायिक प्रक्रियाओं, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों या सामान्य प्रशासनिक कामकाज में बाधा डालती है तो सरकार जनता से परामर्श कर आवश्यक निर्णय लेगी।

भारत के आगे अब अमेरिका समेत तीन देश, दो साल में जर्मनी को पीछे छोड़ने का इरादा

टैरिफ खौफ को धता बताकर देश अब अर्थव्यवस्था की चौथी ताकत, जापान को पछाड़ा जर्मनी पर नजर

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। खास बात यह है कि भारत ने दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने का ये मुकाम ऐसे समय में हासिल किया है, जबकि अमेरिकी टैरिफ के चलते दुनिया में हलचल है। बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ भी भारत की ग्रोथ को नहीं रोक सका और न ही पाकिस्तान के साथ तनाव का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई असर पड़ा। लिहाजा नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम नीति आयोग के कहा कि, 'ग्लोबल और इकोनॉमिक माहौल भारत के अनुकूल है और मैं जब बोल रहा हूं, तब हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी हैं। आज हम 4,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। नीति आयोग की बैठक के बाद सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा है कि अब भारतीय

अर्थव्यवस्था जापान से भी बड़ी हो गई है। भारत ने ये मुकाम पाकर इतिहास रच दिया है और अब सिर्फ अमेरिका, चीन और जर्मनी की इकोनॉमी ही भारत से आगे है। सुब्रमण्यम ने कहा कि हम अपनी योजना पर कायम रहते हैं, तो अगले ढाई-तीन साल में जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी होंगे। उल्लेखनीय है कि भारत लंबे समय से दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना हुआ था और अब उसने जापान को पीछे छोड़ा है। हालांकि जापान काफी समय से महंगाई के चक्रव्यूह में घिरा हुआ है।

किसानों को आधुनिक तकनीक सिखाएगी मप्र सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कल मध्यप्रदेश के प्रवास पर आ रहे हैं और नरसिंहपुर में कृषि उद्योग समागम के दौरान किसानों के बीच रहेंगे। इस आयोजन का फोकस आधुनिक तकनीक से खेती किसानी का है। इस समागम में बडी संख्या में किसान शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि उद्योग समागम का आयोजन मध्यप्रदेश में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने, खाद्य प्रसंस्करण में निवेश आकर्षित करने, और किसानों को बेहतर बाजार से जोड़ने के लिए किया जा रहा है। यह समागम उद्योगपतियों कृषक उत्पादक संगठनों एवं नीति निर्माताओं के बीच संवाद, नीति प्रस्तुति एवं सहयोग के अवसर प्रदान करेगा। बताया जाता है कि कार्यक्रम में उद्योग इकाइयों का शिलान्यास एवं लोकार्पण तथा उद्योगपतियों को भूमि आवंटन पत्र एवं आशय पत्रों का वितरण भी होगा।

दतिया एयरपोर्ट पर वर्चुअल उद्घाटन करेंगे मोदी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भोपाल दौरे के मौके पर आगामी 31 मई को दतिया एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन भी करेंगे। यह जानकारी पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जो कहते हैं, उसे पूरा करके दिखाते हैं, और दतिया एयरपोर्ट इसका ताजा उदाहरण है। यह ऐतिहासिक कदम है, जिससे पर्यटन, व्यापार और रोजगार को नई गति मिलेगी। ज्ञात हो कि मोदी 31 मई को भोपाल में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शिरकत करने आ रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर बदलते भारत की तस्वीर- मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने आज रेडियो शो 'मन की बात' में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बात की व कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं है, ये हमारे संकल्प, साहस और बदलते भारत की तस्वीर है और इस तस्वीर ने पूरे देश को देश-भक्ति के भावों से भर दिया है, तिरंगे में रंग दिया है। पीएम ने भारतीय सेना के पराक्रम की भी सराहना की और कहा कि इस ऑपरेशन सिंदूर ने देश को देशभक्ति की भावना से भर दिया है।

न शाह बर्खास्त न हुए न देवड़ा पर एक्शन- खरगे भड़के

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने वाले मंत्री विजय शाह को मंत्री पद से बर्खास्त न करने और सेना पर टिप्पणी करने वाले डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा पर कार्रवाई न करने पर प्रधानमंत्री मोदी को घेरा है। आज उन्होंने एक्स पर लिखा- भाजपा के नेताओं में पहलगाम के पीड़ितों और हमारी वीर सेना पर लांछन लगाने की होड़ चल रही है। अब भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के शर्मनाक बयान ने एक बार फिर संघ भाजपा की ओछी मानसिकता को उजागर किया। खड़गे ने आगे लिखा- जब पहलगाम में शहीद नौसेना ऑफिसर की पत्नी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा था, तब भी मोदी चुप थे, वे कहते हैं कि उनकी रगों में सिंदूर है अगर ऐसा है, तो इन बद्ज़ुबान नेताओं को बर्खास्त करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि कल हरियाणा से भाजपा सांसद जांगड़ा ने कहा कि अपना सुहाग खोने वाली महिलाओं में वीरांगना का भाव व जोश नहीं था, इसलिए 26 लोग गोली का शिकार बने। पर्यटक हाथ जोड़कर मारे गए, अगर पीएम की योजना के तहत ट्रेनिंग लेते और सामना करते तो इतनी मौतें नहीं होतीं।

थरूर बोले- मैं सरकार के लिए काम नहीं करता, फिर भी..

कूटनीतिक मिशन पर न्यूयार्क पहुंचे

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर पाकिस्तान की सच्चाई बताने के लिए कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय डेलीगेशन आज न्यूयॉर्क में है। थरूर ने यहां कहा- जैसा कि आप जानते हैं, मैं सरकार के लिए काम नहीं करता। मैं एक विपक्षी पार्टी के लिए काम करता हूं, लेकिन मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि भारत ने पाकिस्तान को जैसा जवाब दिया, वो बिल्कुल ठीक था। उधर बहरीन पहुंचे डेलीगेशन में शामिल एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा- हमारी सरकार ने हमें भेजा है ताकि दुनिया को पता चले कि भारत कितने सालों से आतंक के खतरे का सामना कर रहा है। आतंकवाद की यह समस्या पाकिस्तान से शुरू होती है। जब तक पाकिस्तान इन आतंकवादी समूहों को बढ़ावा देना, सहायता देना और समर्थन देना बंद नहीं करता, यह खत्म नहीं होगा। इधर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाला डेलीगेशन आज भारत से रवाना होगा। ये डेलीगेशन 7 जून तक यूरोप के छह देशों- फ्रांस, इटली, डेनमार्क, इंग्लैंड, बेल्जियम और जर्मनी का दौरा करेगा।

कोरोना : देश में बढ़ रहे मामले व मौतें, हालातों की समीक्षा

नई दिल्ली। देश में कोरोना के नए वैरिएंट से बीते 24 घंटे में 2 मरीजों की मौत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक- बेंगलुरु में कोरोना पीड़ित 84 साल के बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया है। इससे पहले ठाणे में 21 साल के युवक की मौत हुई थी। अब 23 नए कोरोना केस सामने आए। महाराष्ट्र के ठाणे में 8, राजस्थान-कर्नाटक में 5, उत्तराखंड-हरियाणा में 3-3, मध्य प्रदेश के इंदौर में 2 और यूपी के नोएडा में एक मामला सामने आया है। कुल एक्टिव केसों की संख्या 363 पहुंच गई है। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने हालातों की समीक्षा बैठक की। फिलवक्त तक कोविड के नए मामले केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों से ज्यादा सामने आए हैं। हालांकि, ज्यादातर केस हल्के (माइल्ड) हैं और मरीज होम आइसोलेशन में ठीक हो रहे हैं।

मेट्रो एंकर

रोहित-विराट के बाद सस्पेंस खत्म, समस्या बाकी

अफेंसिव टीम इंडिया के डिफेंसिव चयनकर्ता

आलोक गोस्वामी, खेल डेस्क

टीम के दो दिग्गज रोहित शर्मा व विराट कोहली के संन्यास के बाद टेस्ट टीम में कप्तानी का सस्पेंस अब खत्म हो चुका है। आगामी 20 जून से शुरू हो रहे 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली टीम इंडिया की घोषणा तय समय यानी 24 मई को हो गयी, और सीरीज के साथ टीम इंडिया के नए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत भी होगी। बतौर कप्तान शुभमन गिल व उप कप्तान ऋषभ पंत के जरिये साफ है कि टेस्ट फॉर्मेट के बाद वनडे और टी 20 में भी यही युवा प्रयोग नजर आने वाला है। अगर टीम पर नजर डालें तो फिर कप्तानी के अलावा करुण नायर की आठ साल बाद व शार्दुल ठाकुर टीम में 2 साल बाद वापसी कर रहे हैं। ए टीम के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को भी मौका मिला है तो साई सुदर्शन और अर्शदीप सिंह टेस्ट टीम में दो नए चेहरे हैं।

बीसीसीआई की तरफ से इंग्लैंड टूर के लिए इस ऐलान के बावजूद ओपनिंग की गुत्थी उलझी है। कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल को इस पर माथापच्ची करनी होगी। दरअसल टीम इंडिया के इस संयोजन में ओपनिंग बल्लेबाजों की भरमार है। इन बल्लेबाजों में से ही बल्लेबाजी क्रम की उठापटक वाली जिम्मेदारी टीम मैनेजमेंट के लिए आसान नहीं रहने वाली, क्योंकि इंग्लैंड दौरा भारतीय बल्लेबाजों के बेहद चुनौतियों वाला रहा है, लेकिन पिछले कुछ समय से एक के बाद एक सन्यास की घोषणा के कारण इस बार टीम के चयनकर्ताओ के लिए भी टीम का चयन आसान नहीं था। सही मायने में अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने टीम का चुनाव बेहद सुरक्षात्मक रवैया अपनाते हुए उन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर किया है,जिस वजह से चयनकर्ताओं को आलोचना झेलना पड़ती थी। इस बार टीम के चयन में सभी तरह के मापदंड का संतुलन रखा गया है। एक ओर जहां घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन को भी नजरअंदाज नहीं किया,वहीं खिलाड़ियों के हालिया आईपीएल फॉर्म को भी टीम के चयन में अहमियत दी है। हाल फिलहाल में करुण नायर,अभिमन्यु ईश्वरन,शार्दुल ठाकुर,अर्शदीप,प्रशिद्ध कृष्णा,साई सुदर्शन,वाशिंगटन सूंदर ओर ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ियों का चयन तो यही बयां करता है। मतलब एकदम साफ है कि इंग्लैंड दौरे के लिए चयनित आक्रामक नजर आ रही टीम इंडिया के चयन में अगरकर टीम ने भरपूर सुरक्षात्मक रुख अपनाया है।

भाजपा नेता ने पैसे नहीं दिए तो वीडियो लीक कर दिया

मंदसौर, एजेंसी। भाजपा नेता व एक महिला के भद्दे वीडियो मामले में नया खुलासा हुआ है। खबरों के मुताबिक एनएचएआई कर्मचारियों ने धाकड़ को वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की। मांग पूरी न होने पर वीडियो लीक कर दिया। 13 मई को भानपुरा के नीमथुर पॉइंट पर कार से उतरने के बाद धाकड़ व महिला बेहद आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दिए थे। एनएचएआई के कर्मचारियों ने कहा तुम्हारी करतूत रोड पर लगे कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है। इसके कुछ अंश दिखाए। वीडियो वायरल न करने के लिए रुपए मांगे। जब बात नहीं बनी तो कर्मचारियों ने वीडियो वायरल कर दिया।

नालों की सफाई पूरी नहीं, सड़कें अब तक बदहाल, बिजली महकमा भी सुस्त

मानसून सिर पर, राजधानी की तैयारियों में अभी बाकी है कसर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी का मौसम इस बार वैसा नहीं है जैसा हर बार गर्मी में होता है। बल्कि मई में लू की बजाय बारिश हो रही है और नौतपा सिर पर है कहा जा रहा है कि यह भी बादल हवा बौछारों की गिरफ्त में रहेगा और 15 जून के आसपास मानसून के आने की उम्मीद भी है। यदि मानसून समय पर आ गया और जमकर बरसा तो इसके पहले स्थानीय एजेंसिंयों को कई व्यवस्था भी मुकम्मल करना पडती हैं, यह अभी नजर नहीं आ रही हैं। यदि यह जल्द पूरी नहीं हुई तो लोगों को बारिश में भारी परेशानी का सामना करना पडेगा। तेज बारिश के लिए शहर कितना तैयार है, तो इसका जवाब होगा कि अभी तक शहर के बड़े नाले साफ नहीं हुए हैं। सौ से ज्यादा अंदरूनी सड़कें ऐसी हैं जहां हर बार जरा सी बारिश में कीचड गंदगी का अंबार लग जाता है पैदलतक चलना मुश्किल होता है। बिजली लाइनों के मेंटेनेंस की स्थिति यह है कि जिन इलाकों में मेंटेनेंस हो गया, वहां भी हल्की बारिश या तेज हवा में अंधेरा छा जाता है। हाल के आंधी पानी के दौर में सबसे पहले बिजली ही गुल हो रही है। जबकि बिजली महकमा पूरे साल मेंटेनेंस के नाम पर घंटों कटौती करता ही रहा है।

फाइल फोटो

55 फीडरों का फिर होगा मेंटेनेंस

बताया जाता है कि इस बार बिजली कंपनी 1 अप्रैल से मेंटेनेंस वर्क कर रही है। इसके बाद भी समस्या कम नहीं हो रही। बिजली कंपनी ने खुद यह स्वीकार किया है कि शहर में कुल 512 में से 55 फीडर ऐसे हैं जहां दोबारा मेंटेनेंस करना होगा, क्योंकि वहां महीने में 10 से ज्यादा बार ट्रिपिंग हो रही है। 50 से अधिक फीडर ऐसे हैं, जिनका अभी मेंटेनेंस ही नहीं हुआ है। हल्की हवा में इन इलाकों में बिजली गुल हो जाती है।

दूसरी तरफ 15 जून से निगम और कलेक्टोरेट के कंट्रोल रूम शुरू होंगे। यहां 24 घंटे अमला उपलब्ध रहता है। यह प्रदेश के बाढ़ नियंत्रण कक्ष और एनडीईआरएफ व एसडीईआरएफ के भी संपर्क में रहते हैं। बताया जाता है कि नगर निगम ने प्री-मानसून एक्टिविटी शुरू होने के कारण इस बार नालों की सफाई और सड़कों की मरम्मत का काम 31 मई तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। शहर में आठ सौ से ज्यादा नाले हैं, इनमें 140 से ज्यादा बड़े नाले हैं। नालों की साफ-सफाई के लिए 26 छोटी-बड़ी पोकलेन मशीनें लगाई गई हैं। दावा है कि पूरे शहर में लगभग 150 लोग इस काम में लगे हुए हैं। लेकिन बताया जाता है कि बड़े नालों में से अभी भी बीस की सफाई भी पूरी नहीं हो सकी है। इनमें काजी कैंप, छोला मरघट, पंचशील, गंगा नगर, बंसल अस्पताल के पीछे, 109 की लाइन हॉकर्स कॉर्नर, धोबीघाट, पुष्पा नगर, शक्ति नगर, अन्ना नगर, आईएसबीटी, जहांगीराबाद, वृंदावन गार्डन के पीछे, अल्कापुरी, एम्स के पीछे, शिव नगर, रूप नगर, संजीव नगर, भोपाल मेमोरियल, लांबाखेड़ा और रवींद्र भवन का नाला शामिल हैं।

इसी तरह जीआईएस में शहर की मेन रोड तो सुधर गईं, लेकिन अंदरूनी सड़कों की हालत अब भी खराब है। निगम ने 31 मई तक सड़क सुधारने की डेडलाइन तय की थी। लेकिन बजट गतिरोध से काम एक हफ्ते पहले ही शुरू हो पाया है और इसने अभी गति नहीं पकड़ी है। ढेरों कॉलोनियों में सड़कों को सुधारा जाना बाकी है। फिलहाल पार्षदों को 1 लाख रु. ही मिले हैं, बाकी के लिए मंजूरी दी जा रही है।

रेल्वे ने अब पेट्स के साथ सफर की नई राह खोली, बुकिंग आसान

मगर कुछ शर्तें भी जोड़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेलवे ने अब पेट लवर्स के लिये एक ऐसी राहत दी है जो उन्हें सफर के वक्त जरूरी रहती है। रेलवे ने यात्रियों को अपने पालतू पशु, मसलन कुत्ते और बिल्लियों के साथ ट्रेन यात्रा के लिए नियमों को लचीला बना दिया है। अब स्टेशन पर चार-चार घंटे पहले जाकर फिजिकल वेरिफिकेशन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। रेलवे ने पेट्स की ऑनलाइन टिकट बुकिंग की सुविधा शुरू की है। यानि यात्री अब घर बैठे ही अपने पेट्स की यात्रा बुकिंग कर सकेंगे। अब तक यात्रियों को प्लेटफॉर्म स्थित पार्सल काउंटर पर जाकर मैनुअली टिकट बुक करानी पड़ती थी। जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। खासकर जब किसी ट्रेन का समय सुबह का होता था, तो यात्रियों को रात में ही स्टेशन पहुंचना पड़ता था ताकि अपने जानवर की बुकिंग की जा सके। जनाकारी के मुताबिक अब आईआरसीटीसी पोर्टल पर पीएनआर नंबर डालकर सीधे अपने पेट्स बुकिंग की जा सकेगी। रेल मंत्रालय ने इसके लिए के सॉफ्टवेयर में जरूरी बदलाव किए हैं। हाल ही में यह बुकिंग सुविधा शुरू भी कर दी गई है। मगर अभी यात्री अपने पेट्स के लिए सिर्फ एसी फर्स्ट क्लास या फर्स्ट क्लास कूपे में ही टिकट बुक कर सकेंगे। उनकी बुकिंग भी उसी पीएनआर पर ऑनलाइन कर सकेंगे, जिससे कूपे अलॉट हुआ हो। इससे सुविधा तो बढ़ेगी ही, साथ ही पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। इससे लोगों के समय की बचत होने लगी है और स्टेशन पर होने वाली भागदौड़ भी खत्म हो गई है।

साथ में सफर का इत्मीनान: हालांकि ट्रेन में यात्री अपने पेट्स के साथ सफर कर सकेंगे लेकिन यात्री को अपने पेट के वैक्सीनेशन का सर्टिफिकेट दिखाना होगा। यदि कोई सहयात्री आपत्ति करता है तो पेट्स को किसी अन्य व्यवस्था में भेजना भी अनिवार्य होगा।

थायराइड को प्राणायाम व योग जड़ से दूर करेगा- अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि शुगर की तरह थायराइड भी महामारी का रुप लेता जा रहा है। यह बीमारी महिलाओं में अधिकतर देखने को मिलती है। लेकिन इस खतरनाक रोग पर नियंत्रण पाया जा सकता है अगर हम नियमित योग करें। अगर आपके बाल गिरने लगे और स्किन ड्राई, हमेशा चिड़चिड़े रहना जैसे संकेत दिखे तो आप साइलेंट किलर थायराइड के शिकार हो सकते हैं। खराब दिनचर्या और गलत खानपान इसका बड़ा कारण है। लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विश्व थायराइड दिवस हर साल 25 मई को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य थायराइड के महत्व और रोग की रोकथाम व उपचार के बारे में जागरूक करना है। 35 साल की उम्र से थायराइड की जांच शुरू करा देनी चाहिए और प्रत्येक पांच साल बाद नियमित जांच करानी चाहिए। ताकि इस गंभीर बीमारी से बचाव किया जा सकें।

इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लॉनर्स की नई समिति गठित

भोपाल। भोपाल में इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लॉनर्स मध्यप्रदेश चैप्टर की नई समिति का गठन किया गया है। यह समिति वर्ष 2025 से 2027 तक कार्य करेगी। विष्णु खरे अध्यक्ष पद के लिए, डॉ. के.के. घोटे उपाध्यक्ष, सुमित गोठी सचिव एवं शुभ्रांशु उपाध्याय कोषाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुने गये हैं। विष्णु खरे वर्तमान में ज्वाइन डायरेक्टर मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश के पद पर पदस्थ हैं। मध्यप्रदेश चैप्टर में प्रदेश के बेस्ट प्लानर्स सदस्य के रूप में शामिल हैं।

'स्किल्स सेमिनार' सिंधु भवन में 31 मई से

हिरदाराम नगर. युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने मप्र सिंधु भवन ट्रस्ट एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रहा है। ट्रस्ट पर्सनेलिटी डॉक्टर इना छाबड़िया के सहयोग से, छात्र-छात्राओं के लिए दो दिवसीय स्किल्स सेमिनार का आयोजन कर रहा है। 31 मई व 1 जून, को सुबह 11 बजे से 12.30 बजे तक सिंधु भवन, शिवाजी नगर, नियर 5 नंबर स्टॉप, भोपाल में सेमिनार होगा।

कल 'पुण्य-उत्सव' के रूप में गेहानी का मनेगा जन्मोत्सव

हिरदाराम नगर. शिक्षाविद् और समाज सेवी विष्णु गेहानी का 90वां जन्मोत्सव साधु वासवानी व मुकिता इंटरनेशनल स्कूल में मनाया जाएगा। विद्यालय परिवार इस जन्मदिवस को पुण्य-उत्सव के रूप में मनाएगा। 26 मई को प्रातः 10 बजे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विष्णु गेहानी ने अपने 90वें जन्मदिवस को निर्धन, अनाथ विद्यार्थियों, पर्यावरण और मूक-प्राणियों को समर्पित करने का निर्णय लिया है। यह आयोजन बच्चों के साथ मनाया जाएगा, जिसमें निर्धन बच्चों को यूनिफॉर्म और भोज्य सामग्री वितरित की जाएगी। पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पौधारोपण किया जाएगा। बच्चों को पौधे, डस्टबिन और झाड़ू जैसी सामग्री प्रदान की जाएगी, जिससे 'हमारा पर्यावरण स्वच्छ एवं हरा-भरा रहे' का संदेश जन-जन तक पहुंच सके।

72 वर्षों का शिक्षा और समाज सेवा में योगदान: गेहानी ने अपने जीवन के लगभग 72 वर्ष शिक्षा जगत और समाज-सेवा में समर्पित किए हैं। उन्होंने शिक्षा रूपी महायज्ञ में अपनी आहुति देते हुए, संत नगर में 12 विद्यार्थियों को मध्य प्रदेश शिक्षा मंडल की प्रावीण्य सूची में लाकर समाज और क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। गेहानी का मानना है कि उम्र थका नहीं सकती ठोकरें गिरा नहीं सकती, अगर चाह हो जीतने की तो परिस्थितियां भी हरा नहीं सकती। आए हो निभाने को जब किरदार जमीन पर, कुछ ऐसा कर चलो कि जमाना मिसाल दे।

विज्ञापन अब केवल उत्पाद बेचने का माध्यम नहीं, समाज से संवाद का जरिया भी

एमसीयू में एडवर्टर 360 की अभिनव प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा एडवर्टर 360 नामक एक अनूठी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए देश के चुनिंदा ब्रांड्स 360 डिग्री विज्ञापन अभियानों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मप्र माध्यम में महाप्रबंधक एवं प्रभारी प्रशासन रहे हेमंत वायंगणकर को विभागाध्यक्ष डॉ. पवित्र श्रीवास्तव ने स्मृति चिह्न भेंट कर किया। कार्यक्रम में वायंगणकर ने कहा कि ÷विज्ञापन अब केवल उत्पाद बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज से संवाद का एक प्रभावी जरिया बन गया है। यहां छात्रों ने न केवल कल्पना की उड़ान भरी है, बल्कि ब्रांड को एक नई दृष्टि से परिभाषित किया है। उन्होंने कहा कि वे इसी जोश और उत्साह के साथ रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता को मिलाकर अपने भविष्य को संवारें। एडवर्टर 360 प्रदर्शनी में हर छात्र समूह ने एक ब्रांड चुना और उसके लिए विज्ञापन की पूरी श्रृंखला तैयार की। जिसमें- प्रिंट विज्ञापन, टीवीसी (टेलीवि?न कमर्शियल्स), रेडियो जिंगल, सोशल मीडिया पोस्ट्स, पैकेजिंग डि?इन, आउटडोर प्रचार माध्यम, ब्रोशर एवं पोस्टर डिजाइन शामिल थे। इन सभी माध्यमों के जरिए छात्रों ने दिखाया कि कैसे एक ब्रांड को हर मंच पर एक मजबूत और सुसंगत छवि के साथ प्रस्तुत किया जा सकता है।

छात्रों को दिया मार्गदर्शन: कार्यक्रम में विभाग के पूर्व छात्र भी शामिल हुए, इसमें विशेष बात यह रही कि बैच 2003-2005 की पूर्व छात्राएं, मृदुता शर्मा और कल्पना शर्मा विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुईं। दोनों ने विज्ञापन और जनसंपर्क के क्षेत्र में अपने व्यावसायिक अनुभवों को साझा करते हुए छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

क्विज और ज्ञान का समावेश – कार्यक्रम को और भी रोचक बनाने के लिए ब्रांडिंग क्विजा और गेस द लोगो जैसे मनोरंजक क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों में विभिन्न ब्रांड्स के लोगो, टैगलाइन और ब्रांड एंबेसडर से संबंधित प्रश्न पूछे गए। यह पहल छात्रों की ब्रांड जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी।

संस्कार विद्यालय में समर कैंप का समापन, बच्चों ने सीखे नए हुनर

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संस्कार विद्यालय में चल रहे समर कैंप का शनिवार को समापन हुआ, जिसमें बच्चों ने विभिन्न कलाओं और कौशलों का प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसका प्रदर्शन उन्होंने समापन समारोह में किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी निमेश सेठ और राम बंसल के साथ-साथ संस्था के सचिव बसंत चेलानी, उपाध्यक्ष सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष चंदर नागदेव, लेखा परीक्षक पुरुषोत्तम टिलवानी और कर्नल पारवानी ने परंपरागत तरीके से दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया। बंसल ने बच्चों से आग्रह किया कि शिविर में सीखी गई विधाओं का वे निरंतर अभ्यास करें, क्योंकि ये उनके जीवन में बहुत काम आएंगी। निमेश सेठ ने कहा कि गीत-संगीत मानसिक थकान को दूर करता है और मानसिक शांति प्रदान करता है। कर्नल पारवानी ने कहा कि इतने कम समय में उन्होंने जो सीखा है, वह प्रशंसनीय है।

संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने बच्चों और शिक्षकों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। चेलानी ने विश्वास व्यक्त किया कि समर कैंप के 20 दिनों में बच्चों ने जो कुछ भी सीखा है, वह उनके जीवन में आगे काम आएगा। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

समर कैंप का समापन, नन्हे बच्चों ने भी दिखाया हुनर

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

डीडी प्ले स्कूल में लगा था ग्रीष्मकालीन शिविर

डी. डी. प्ले स्कूल में आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर का शनिवार को समापन हो गया। इस अवसर पर नवयुवक सभा के पदाधिकारियों ने कैंप का अवलोकन किया और बच्चों द्वारा गर्मियों की छुट्टियों में सीखे गए विविध कौशलों और गतिविधियों की सराहना की। विद्यालय की इंचार्ज हेमलता संगतानी ने बताया कि यह कैंप छोटे बच्चों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद रहा, जिन्होंने बड़े बच्चों की तरह ही बढ़-चढ़कर इसमें हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, ÷हमारे यहां छोटे बच्चों ने भी अपनी छुट्टियों का बेहतरीन सदुपयोग किया है, जो आमतौर पर बड़े बच्चों के लिए होते हैं। समापन अवसर पर नवयुवक सभा प्रबंध समिति के अध्यक्ष वासदेव वाधवानी, सचिव सुरेश राजपाल, प्राचार्य ज्योति चौहान और नवयुवक सभा शिक्षा समिति के धर्म प्रकाश मोटवानी व श्री पुरुषोत्तम टिलवानी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बच्चों के प्रदर्शन और कैंप की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

मेट्रो एंकर

सुख सागर उदासीन आश्रम में चल रही कथा

श्रीकृष्ण-रुक्मणि विवाह प्रसंग, भक्तिमय हुआ सुख सागर आश्रम

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सुख सागर उदासीन आश्रम में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन आज कथावाचक श्री राम-श्याम जी ने भगवान श्रीकृष्ण और देवी रुक्मिणी के पावन विवाह प्रसंग का अत्यंत हृदयस्पर्शी वर्णन किया। इस दिव्य कथा को सुनकर उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान कृष्ण (लड्डू-गोपाल) की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। कथावाचक श्री राम-श्याम जी ने रुक्मिणी हरण और विवाह की अद्भुत लीला का विस्तार से बखान किया। उन्होंने बताया कि कैसे रुक्मिणी का विवाह चेदिराज शिशुपाल से तय होने के बावजूद, उनका हृदय भगवान श्रीकृष्ण के प्रति समर्पित था। रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को अपनी प्रेम-पाती भेजी, जिसके पश्चात् भगवान ने उनका हरण किया और द्वारका में विधिवत रूप से उनसे विवाह रचाया। कथा में रुक्मिणी के भाई रुक्म के विरोध और रुक्मिणी के दृढ़ समर्थन के प्रसंग ने श्रोताओं को भक्ति से भर दिया। यह भी बताया गया कि रुक्मिणी को साक्षात् देवी लक्ष्मी का अवतार माना जाता है, और उनके दस पुत्र थे - प्रद्युम्न, चारुदेष्ण, सुदेष्ण, चारुदेह, सुचारू, चरुगुप्त, भद्रचारू, चारुचंद्र, विचारू और चारू। इस अवसर पर भाजपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष चंद्रप्रकाश इसरानी और झूलेलाल मंदिर ट्रस्ट के सचिव राज मनवानी ने महंत बाबा रामदास उदासीन, कथावाचक श्री राम-श्याम जी और संत मोहनलाल उदासीन का शॉल एवं पुष्पमालाएं भेंट कर स्वागत किया।

शिव मंदिर में 108 फीट ऊंची शिव प्रतिमा स्थापित होगी

हिरदाराम नगर. संत नगर धार्मिक एवं आध्यात्मिक सेवा संस्था, पूर्ण ज्योति सेवा संस्था शीघ्र ही एक भव्य मंदिर का निर्माण करने जा रही है। संस्था के प्रमुख संस्थापक और अध्यक्ष, प्रसिद्ध शिव महापुराण कथा वाचक गुरुदेव मुकेश जी महाराज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस मंदिर का निर्माण भोपाल-सीहोर रोड के मध्य किया जाएगा। गुरुदेव मुकेश जी महाराज ने बताया कि मंदिर परिसर में एक विशाल सत्संग हॉल और योगा सेंटर भी निर्मित किए जाएंगे। संस्था वर्तमान में मंदिर निर्माण और सत्संग हॉल के लिए उपयुक्त भूमि की तलाश कर रही है। योग्य भूमि स्थल मिलने के उपरांत ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

प्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व में अनोखा बाघदेव अभियान

मिट्टी के नकली बाघ बनेंगे जंगल के असली बाघों की सुरक्षा ढाल !

- समुदायों का भावनात्मक जुड़ाव मूर्तिकारों के लिए रोजगार होंगे पैदा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व और आसपास के वन क्षेत्रों में मिट्टी के बाघ असली बाघों की सुरक्षा ढाल बनेंगे। अभियान का नाम बाघदेव रखा है। इसके पीछे का मकसद बाघों का संरक्षण करने के साथ-साथ, स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार पैदा करना भी है, जो कि मिट्टी के बाघों की कलाकृतियां बनाने व उन्हें पर्यटकों को बेचने के काम से पैदा होगा। अभियान की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 22 मई से शुरू किया है, जो 22 जुलाई को विश्व बाघ दिवस तक चलेगा। उक्त प्रयासों की सफलता के बाद अभियान को दूसरे रिजर्वों में भी शुरू किया जाएगा।

बाघों पर आने वाली चुनौतियों को कम करने की पहल

पेंच टाइगर रिजर्व के उप संचालक रजनीश कुमार सिंह ने बताया कि बाघदेव को आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में देवता के रूप में पूजा जाता है और उनसे मन्नतें मांगी जाती हैं। वर्षों से चल आ रही यह परंपरा आज भी प्रचलित है। लोग बाघदेव के प्रति गहरी भावनाएं रखते हैं। जिसे देखते हुए तय किया कि बाघों के जीवन के सामने आ रही चुनौतियों से निपटने के लिए बाघदेव अभियान शुरू किया जाए। इसके लिए रिजर्व के बफर क्षेत्र की सभी 130 ईको विकास समितियों में मिट्टी के बाघों की कलाकृतियां बनाने जा रहे हैं। ईको विकास समितियों के सदस्य एवं ग्राम पंचधार के मिट्टी के बर्तन और खिलौने बनाने वाले विशेषज्ञ कुम्हार भी इसमें मदद कर रहे हैं।

कलाकृतियों को संभालकर रखा जाएगा

वन अधिकारियों का कहना है कि मिट्टी के बाघों को पार्क प्रबंधन द्वारा एकत्रित करेंगे। मिट्टी के खिलौने, आकृतियां, प्रतिमा व बर्तन बहुत टिकाऊ होते हैं लेकिन ऐसा तभी होता है जब इन्हें भट्टी में पकाया जाता है। ऐसे मूर्तियों को खबासा में निर्माणाधीन स्टील स्क्रैप से बन रही बाघ कलाकृति के पास स्थापित कर नए आस्था स्थल में संजोकर रखेंगे।

पहले वर्ष टेराकोटा का उपयोग

पेंच प्रबंधन का प्रयास है कि इस वर्ष टेराकोटा (मिट्टी) की कलाकृति बनाई जाए, अभियान में ईको विकास समितियों के साथ पर्यटक एवं अन्य बफर क्षेत्र के बाहर के रहवासी भी जुड़ सकेंगे।अधिकारियों का कहना है कि बाघदेव से स्थानीय लोग पहले से मनोकामनाएं मांगते आए हैं, कई लोगों का भरोसा है

कि ये पूरी भी होती हैं। ऐसे लोग अपने हाथ से बाघों की कृलाकृतियां बनाकर उसमें अपना नाम लिखकर बाघदेव से मनोकामना मांग सकेंगे, इससे बाघ संरक्षण में समुदायों के भावनात्मक जुड़ाव के साथ ही पंचधार के मूर्तिकारों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में मप्र की ओर से दिया भरोसा

विकसित मप्र बनाने प्रधानमंत्री मोदी के सामने रखा रोड मैप

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश को विकसित बनाने की कोशिशें जारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने शनिवार को इन कोशिशों को मध्यप्रदेश की ओर से रखा गया। मौका था दिल्ली में हुई नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक का। इसमें सीएम डॉ. मोहन यादव व सीएस अनुराग जैन शामिल थे। इसी तरह हर राज्यों की ओर से अपने–अपने राज्यों को समृद्ध बनाने का विजन रखा गया।

सीएम ने बैठक में कहा कि मप्र टीम इंडिया भावना के साथ काम कर रहा है, आगे भी काम करेगा। नवाचार से जुड़े अनुभवों को साझा करेगा और दूसरे राज्यों से सीखेगा। ऐसा करके हम नए कीर्तिमान गढ़ेंगे। विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के विजन से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की प्रथम पंक्ति में स्थापित करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। सीएम ने कहा कि बैठक में शामिल होकर प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त किया और इसे भारत के भविष्य निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया। सीएम डॉ. मोहन यादव ने बैठक में कहा कि विकसित भारत के लिए मध्यप्रदेश 2 ट्रिलयन डालर का योगदान देगा। प्रधानमंत्री मोदी के सामने राज्य की ओर से वर्ष 2047 तक उक्त लक्ष्य को हासिल करने का रोडमैप भी रखा। सीएम ने बताया कि विकसित भारत और समृद्ध मध्यप्रदेश बनाने के उद्देश्य से युवा, किसान, गरीब और महिला कल्याण से संबंधित विभागवार लक्ष्य और समयबद्ध योजना बनाई है। नीति आयोग की बैठक में मप्र के साथ-साथ सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने सुखद और स्वस्थ वातावरण में अपने रोडमैप, शिक्षा, चिकित्सा, इत्यादि सेक्टरों की योजनाओं तथा नवाचारों का प्रस्तुतिकरण दिया।

सेना व प्रधानमंत्री का माना आभार–

नीति आयोग की बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने सेना द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ चलाए सफल अभियान ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना व प्रधानमंत्री का आभार माना। सेनाओं ने आधुनिक तकनीक के माध्यम से त्वरित गति से दुश्मन को घर में घुसकर मारने का बहुत बड़ा पराक्रम प्राप्त किया।

चौथे स्थान पर आए

सीएम ने मीडिया को दिए बयान में बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ग्यारहवें नंबर की अर्थव्यवस्था से आज चौथे स्थान पर आ गया है और वर्ष 2047 तक यह शीर्ष अर्थव्यवस्था बनेगा। प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प के अनुरूप वर्ष 2047 तक भारत को 30 ट्रिलयन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है। नीति आयोग की शासी परिषद की दसवीं बैठक में राज्यों आर केंद्र शासित प्रदेशों का अब तक का सर्वाधिक प्रतिनिधित्व रहा।

आज भी दिल्ली में सीएम-

सीएम डॉ. मोहन यादव शनिवार को भी दिल्ली में ही रात्रि विश्राम किया। सूत्रों के मुताबिक नीति आयोग की बैठक होने के बाद उन्होंने राज्य के कई विषयों को लेकर केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा की। साथ ही राज्य में चल रहे जनकल्याण के कामों की जानकारी भी साझा की। सीएम रविवार को भी दिल्ली में ही है। सूत्रों के अनुसार वह प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर उन्हें 31 मई को होने वाले महिला सम्मेलन में शामिल होने का न्यौता दे सकते हैं।

भोपाल में होगा 21वां वर्ल्ड रोज़ कंवेन्शन-2028

भोपाल। वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज़ सोसायटीज़ द्वारा 21वाँ वर्ल्ड रोज़ कंवेन्शन 2028 में भोपाल में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में दुनिया भर के 700 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। अपनी झीलों और उद्यानों की सुरम्य पृष्ठभूमि के साथ भोपाल थीमैटिक गार्डन, तकनीकी सत्रों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और राज्य भर में पर्यटन अनुभवों के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करेगा। जापान के फुकुयामा शहर में आयोजित हुए 20वें वर्ल्ड रोज़ कन्वेंशन में इसकी आधिकारिक घोषणा हुई। जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) ने किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने किया। समारोह में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज़ सोसायटीज़ के नए अध्यक्ष सुशील प्रकाश बनाए गए।

नए कानून का मसौदा तैयार, लग सकता है थोड़ा समय

मप्र में फायर एक्ट लागू करने की तैयारी आयोजनों के लिए एनओसी जरूरी होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में आग लगने से होने वाले नुकसान से बचने के लिये फायर एंड इमरजेंसी सर्विस एक्ट (कानून) लागू करने की तैयारी है। हालांकि अभी इसमें वक्त थोड़ा लग सकता है लेकिन सरकार ऐसे मामले में ठोस इंतजाम के मूड में हैं। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग ने इसका फाइनल ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। दरअसल अभी किसी को शादी के लिए पंडाल लगाना है या किसी राजनीतिक दल को सभा करनी है या फिर कोई सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन होता है तो इसमें न तो एहतियात बरते जाते हैं और न ही आवश्यक मंजूरी पर ध्यान दिया जाता है। लिहाजा अब आयोजकों को सबसे पहले फायर एनओसी लेनी पड़ेगी। उसी के बाद बाकी अनुमतियां दी जाएंगी। जो आयोजक इस नियम का पालन नहीं करेंगे, उन्हें 10 हजार रुपए का जुर्माना और 3 महीने के कारावास की सजा होगी।

बताया जाता है कि पांच हजार वर्गफीट पर बने शैक्षणिक संस्थान, व्यवसायिक और व्यापारिक प्रतिष्ठान, औद्योगिक गोदामों के लिए भी एनओसी लेना जरूरी होगा। इस कानून के मसौदे को आगामी तीन जून को पचमढ़ी में होने वाली कैबिनेट मीटिंग में रखा जा सकता है। इसके बाद फायर एक्ट के बिल को विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। नया कानून बनने के बाद आम लोगों पर टैक्स का भार आएगा। नगर निगम और नगर पालिकाएं प्रॉपर्टी टैक्स के सरचार्ज के रूप में फायर टैक्स वसूलेंगे।

डायरेक्टर भी होगा नियुक्ति

जानकारी के मुताबिक नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का कमिश्नर ही फायर एंड इमरजेंसी सर्विस का कमिश्नर भी होगा। सरकार इसमें एक डायरेक्टर को भी नियुक्त करेगी। यह ऐसा अफसर होगा, जिसके पास अनुभव, जानकारी और इस क्षेत्र में अच्छे काम का रिकॉर्ड हो। सरकार आबादी, औद्योगिक क्षेत्र, बिजनेस सेंटर्स के हिसाब से नए फायर स्टेशन खोल सकेगी। पुलिस थानों की तरह ही हर फायर स्टेशन की सीमा तय रहेगी, ताकि आग लगने की घटनाओं के बाद तत्काल ही एक्शन लिया जा सके।

मूंग की खरीदी नहीं होने से प्रदेश भर में विरोध

किसान व कांग्रेस दोनों कह रहे खरीदी की जाए

लेकिन सरकार पहले मूंग की खेती करने वालों को हतोउत्साहित कर रही

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मूंग की खरीदी नहीं होने से प्रदेश भर में विरोध हो रहा है। किसान कह रहे हैं कि उन्होंने मेहनत से खेती कर पैदावर ली है लेकिन खरीदी नहीं होने से उन्हें नुकसान हो रहा है। कांग्रेस भी किसानों की इस मांग का समर्थन कर रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सरकार को मूंग की खरीदी के लिए पत्र लिख चुके हैं। तब भी खरीदी शुरू होगी, यह तय नहीं है। उधर किसान संगठन प्रदेश भर के जिलों में कलेक्टरों को सीएम के नाम ज्ञापन सौंप रहे हैं लेकिन कोई हल

निकलता नहीं दिख रहा है। किसान परेशान इस बात से है क्योंकि कुछ ही समय बाद बारिश का सीजन शुरू हो जाएगा। मूंग संभालकर रखना मुश्किल होगा। साथ ही खरीफ की फसलों की बुवाई व उसके पहले उसकी तैयारियों के लिए रुपयों की जरुरतों है।

व्यापारी उठा रहे फायदा

सरकार की इस हठधर्मिता का फायदा कई व्यापारी उठा रहे हैं, खुले बाजार में मूंग की कीमत कम है। किसानों का कहना है कि यदि समर्थन पर खरीदी शुरू होती तो खुले बाजार में भी अच्छे दाम मिलते। कम से कम किसान समर्थन मूल्य पर मूंग तो बेच पाते। यूनियन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि खरीदी शुरू नहीं कराई तो प्रदेश भर में विरोध दर्ज कराया जाएगा।

दसवीं और बारहवीं की द्वितीय परीक्षा आवेदन की तिथि बढ़ी, 31 तक मौका

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल ने सत्र 2024-25 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिये पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि में वृद्धि की है। हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण छात्र अंक सुधार के लिये अथवा अनुत्तीर्ण छात्र उत्तीर्ण विषयों के अंक सुधार के लिये अब 25 मई 2025 रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा में केवल अनुत्तीर्ण विषयों की द्वितीय परीक्षा के लिये 31 मई 2025 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन किये जा सकेंगे।

मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग ने जिलों से मांगा ब्यौरा

12वीं के टॉपरों को जल्द मिलेगी लैपटॉप राशि

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा बारहवीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक पाने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों लैपटॉप राशि आवंटित करने को लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी है। ऐसे विद्यार्थियों की बैंक खाता सहित अन्य जानकारी विभाग ने सभी जिलों को भेजने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष 2024-25 की हायर सेकेंडरी परीक्षा में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा पोर्टल बैंक खाते दर्ज करने के निर्देश लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी किए हैं। सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि एक सप्ताह में अपने जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की सूची के आधार पर बैंक खाते की डिटेल शिक्षा पोर्टल पर अपडेट कराएं ताकि सिंगल क्लिक के माध्यम से 25-25 हजार रुपए

भेजे जा सकें। विभाग ने कहा है कि प्रायः देखने में आया है कि कई विद्यार्थियों के बैंक खाते उनके परिवारजनों के नाम से संचालित, त्रुटिपूर्ण दर्ज किए जाते हैं। ऐसे में पूर्ण सावधानी से पात्र विद्यार्थियों के बैंक खाते की प्रविष्टि करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से किसी जिम्मेदार अधिकारी को अधिकृत किया जाए। यह भी कहा है कि विद्यार्थियों के नाम से संचालित बैंक खाता क्रमांक, आईएफएससी कोड, बैंक शाखा का नाम एक सप्ताह में शिक्षा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज कराया जाए।

शिक्षण सत्र 2024-25 के लिए जारी किए आदेश

आदेश में कहा है कि मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत या अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदी के लिए 25-25 हजार रुपए की राशि डीबीटी योजना से प्रदान की जाती है। माशिमं के संदर्भित पत्र द्वारा शिक्षण सत्र 2024-25 की कक्षा 12वीं की परीक्षा में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों की जानकारी भेजी गई है जो पोर्टल पर उपलब्ध है।

हार को शिक्षक मान जीत की संभावना तलाशें

हमारा समाज सदैव सफलता को ही महिमामंडित करता है। वास्तव में असफलता ही सफलता की पहली पीढ़ी है। उसे एक सबक के रूप में लेकर हमें सफलता की राह चुननी चाहिए। सही मायनों में सफलता-असफलता एक सिक्के के दो पहलू ही हैं।

■ **डॉ. मधुसूदन शर्मा**

जीवन एक यात्रा है-कभी सहज, तो कभी जटिल। जीवन यात्रा में जितनी सफलता की ऊंचाइयां हैं, उतनी ही हार की गहराइयां भी हैं। जब कोई व्यक्ति अपने जीवन में हार का सामना करता है तो उसका सबसे पहला स्वाभाविक भाव निराशा होता है। अपनी पराजय के लिए या तो हम हम स्वयं को दोष देने लगते हैं या फिर परिस्थितियों को कोसते हैं। लेकिन यदि हम थोड़ा धैर्य रखें तो पायेंगे कि हार केवल एक रुकावट नहीं बल्कि कुछ सीखने का अवसर है। यह हमारे दृष्टिकोण, योजनाओं तथा आत्ममूल्यांकन को गहराई से देखने का समय होता है। हमारे समाज में हार को नकारात्मकता से देखा जाता है। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाया जाता है कि सिर्फ 'जीतना ही महत्वपूर्ण है।' समाज में कभी भी हार की स्वीकार्यता नहीं रही। जबकि सच्चाई यह है कि पराजय आत्मदृष्टि का अवसर प्रदान करती है। वह संकेत देती है कि कहीं कुछ अधूरा रह गया है-संभवतः हमारी तैयारी में,दृष्टिकोण में या आत्मविश्वास की दृढ़ता में। जब हम हार को एक शिक्षक के रूप में स्वीकार करते हैं, तब हम उसके अंदर निहित सफलता की संभावनाओं की तलाश कर पाते हैं।

इतिहास साक्षी है कि सफलता की नींव अक्सर असफलताओं की ईंटों से रखी जाती है। अब्राहम लिंकन ने कई चुनाव हारे। व्यापार में असफल रहे। लेकिन अंततः वह अमेरिका के सबसे प्रतिष्ठित राष्टपति बने। हैरी पॉटर की लेखिका जे.के. रोलिंग को तमाम प्रकाशकों ने अस्वीकार कर दिया था। पर उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने आत्मविश्वास को बना प्रयत्न जारी रखा। अंततः एक छोटे से प्रकाशक ब्लूम्सबरी ने उनकी पांडुलिपि को स्वीकृति दे दी और वह इतिहास बन गया। वह कहती थीं, यदि आपका विश्वास अडिग है तो अस्वीकृतियां केवल सीढ़ियां है सफलता की ओर। अगर हम सफल होना चाहते हैं तो असफलता की चेतना को आश्रय न दें। असफलता तब ही स्थाई बनती है,जब हम उसे भीतर बसा लेते हैं। एक असफल प्रयास को यदि हम आत्म छवि में बदल लें, तो वह हमे भीतर से खोखला कर देती है। लकिन यदि हम उसे केवल एक अनुभव मानें, एक पाठ की तरह ग्रहण करें तो वह हमें मजबूत बनाता है। चेतना की दिशा ही हमारे जीवन की दिशा तय करती है। इसलिए मन में यह दृढ़ विश्वास होना चाहिये कि आप असफल नहीं हैं।परमहंस योगानंद जी का एक प्रेरणादायक कथन है- 'असफलता का समय ही सफलता के बीज बोने के लिए सर्वोत्तम समय है।' यह कथन जीवन के गहरे सत्य को उजागर करता है। जीवन के सबसे कठिन क्षणों में हमारा अंतर्मन सबसे अधिक उपजाऊ भूमि होती है।

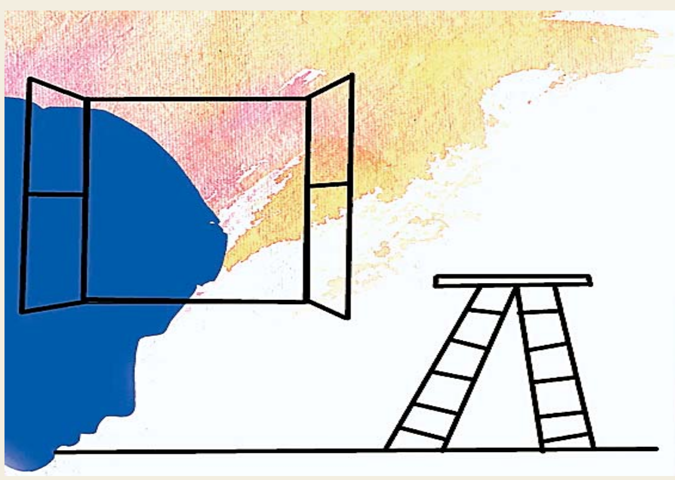

इस समय आत्मविश्वास, धैर्य और विवेक के बीज बोए जा सकते हैं। ये बीज एक दिन सफलता के वटवृक्ष बनते हैं। हमारी संस्कृति और अध्यात्म भी हमें सिखाते हैं कि असफलता कोई स्थाई स्थिति नहीं होती, बल्कि वह आत्मविश्लेषण, आत्मसुधार और आत्मोत्थान का एक अवसर होती है। श्रीराम का वनवास एक हार नहीं, बल्कि दिव्य जीवन के नए अध्याय की शुरुआत थी। महाभारत के कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अर्जुन का मोह युद्ध से पहले ही पराजय लगता है पर वह विचार गीता के ज्ञान का द्वार बन गया।

ये सभी उदाहरण बताते हैं कि असफलताओं के पीछे असीम सफलताओं की संभावना छिपी होती है। यहां परमहंस योगानंद जी का यह कथन मार्गदर्शक बनता है, 'जब असहनीय चुनौतियों का पहाड़ आप पर टूट पड़े, तब साहस और सूझबूझ न खोएं। अपनी अन्तर्ज्ञानजनित सहज बुद्धि तथा ईश्वर में आस्था को सक्रिय रखिए, उस संकट से बच निकलने का कोई न कोई रास्ता खोजने का प्रयास कीजिए। चाहे वह रास्ता कितना भी असंभव क्यों न लगे और आपको मार्ग मिल जाएगा। अंत में सब ठीक हो जाएगा क्योंकि परमात्मा ने जीवन के क्षणभंगुर अनुभवों में दिखने वाले सतही विरोधाभासों के पीछे अपना वरदान छिपा कर रखा हुआ है। अपनी सभी समस्याओं का समाधान प्राप्त करने के लिए परमात्मा की सहायता लें।'

हम सभी अपने जीवन में कभी न कभी असफलता देखते हैं। यह असफलता एक परीक्षा में भी हो सकती है किसी रिश्ते में, करिअर में या आत्मसंघर्ष के किसी गहरे मोड़ पर भी हो सकती है। इसमें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। यह तो आत्ममंथन का अवसर है। जब हम असफलताओं से टूट रहे होते हैं तो हमारे अंतर्मन से एक आवाज आती है, 'उत्साह और धैर्य के साथ पुनः प्रयास करो। यह असफलता तुम्हारे लिए ऊपर उठने का एक अवसर है।' मनुष्य का अंतर्मन अद्भुत क्षमता से युक्त होता है। जैसे ही कोई असफलता जीवन यात्रा का एक द्वार बंद करती है, अंतर्मन सफलता की खिड़की खोल देता है। जब अंतर्मन कुछ करने के लिए संकल्प लेता है तो सारा ब्रह्मांड उसकी सहायता करने लगता है।

- साभार

दिलों के बेहद करीब हैं दिनों के नाम पर बसे मोहल्ले

■ **ताहिर अली**

भोपाल में न कभी विशुद्ध मुस्लिम मोहल्ले रहे, न विशुद्ध हिंदू – सब एक साथ रहते थे। त्योहार, शादियां, दुःख-सुख सब साझे होते रहे। इसी समरसता ने उर्दू भाषा के विकास को सहज वातावरण दिया। उर्दू न केवल दरबार की भाषा बनी, बल्कि आम जीवन की भाषा भी, जिसमें दोनों समुदायों ने योगदान दिया। भोपाल का इतिहास केवल एक रियासत की कहानी नहीं, बल्कि यह सांप्रदायिक सौहार्द, धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक सहभागिता का जीवंत दस्तावेज़ है। यह आज के भारत के लिए भी एक प्रेरणा है कि विभिन्न धार्मिक समुदाय कैसे सम्मान, सहयोग और साझा विरासत के आधार पर एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं। भोपाल की दिलचस्प रचनात्मकता इसके मोहल्लों के नामों में भी झलकती है ङ्क मंगलवारा, बुधवारा, इतवारा, जुमेराती, पीरगेट ङ्क इन मोहल्लों में किसी एक समुदाय की पहचान नहीं बल्कि पूरे शहर की साझी संस्कृति की झलक मिलती है। यही कारण है कि यहाँ के लोग आपदाओं में एक-दूसरे की मदद के लिए सबसे पहले खड़े नजर आते हैं। शुजा ख़ां का अट्टा भोपाल की उन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध गलियों में से एक है, जिसकी मिट्टी ने कई नामचीन और असरदार शख्सियतों को जन्म दिया है। यूँ तो रियासत भोपाल में जुमेराती के काका मियाँ, इब्राहीमपुरा के तब्बू मियाँ और शफ़ीक़ पठान, लक्ष्मी टॉकीज़ के रफ़्फ़ू पहलवान, बुधवारा के डॉक्टर ज़हीरुलइस्लाम, इमामी गेट के हकीम अख्तर आलम और सर्राफा चौक के मुन्नू लाल जोहरी जैसे कई मशहूर लोग गुज़रे हैं, मगर शुजा ख़ां का अट्टा की अपनी एक अलग ही तारीख़ है। यहाँ की सरज़मीन न केवल ज़रखे? रही है, बल्कि इसने समाज, अदब और कारोबार के कई सितारों को भी रौशन किया है। बदलते समय के साथ यह इलाका अब एक बड़ा कारोबारी केंद्र बन चुका है, जिसकी वजह से पुराने बाशिंदों के कई ख़ानदान सुकून की तलाश में शहर के अलग-अलग वीआईपी इलाकों में जाकर बस गए हैं। लेकिन इस मोहल्ले की रौनक कभी ज़हूर हाश्मी, शिक्षाविद डॉ. सैय्यद अशफ़ाक अली, खान शाकिर अली खान, शायर अख्तर सईद ख़ां, नवाब मियाँ 'सिगरेट', मौलाना इमरान ख़ां, अल्लामा खालिद अंसारी, शर्की खालिदी और सालिक भोपाली जैसे रौशन चहरों से जगमगाया करती थी। एक ज़माना था जब भोपाल के गुटके की खासियत हर जगह मशहूर थी। ये वो गुटका नहीं, जो आज की तरह लोगों की जेब में रहता है, बल्कि ड्रायफरूट, रंग-बिरंगे मसालों और इत्र की सुगंध से तैयार होता था, जिसे खूबसूरत बटुओं में सजाकर पेश किया जाता था। भोपाल के 'बटुए' नवाबी शान की निशानी थे, और आज भी सर्राफा बाजार की कुछ दुकानों पर यह परंपरा जीवित है।

समृध्द विरासत और मजबूत रिश्तों की बुनियाद पर खड़ा है शहर

भोपाल- धर्मनिरपेक्ष पहचान का प्रतीक

भोपाल के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक, काली माता का मंदिर, छोटे तालाब क्षेत्र में स्थित है और एक ऐतिहासिक धार्मिक स्थल के रूप में जाना जाता है। वहीं एयरपोर्ट क्षेत्र में स्थित मनुआभान की टेकरी पर श्वेतांबर जैन समुदाय का एक प्रसिद्ध मंदिर है। अब इस टेकरी को महावीर गिरी के नाम से भी जाना जाने लगा है, जहां प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। बिड़ला मंदिर भोपाल का श्रद्धा का केंद्र है। चौक स्थित प्राचीन आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, बहुत मशहूर है। इसके साथ ही बिडला मंदिर सहित अनेक मंदिर आस्था के केन्द्र है। भोपाल में सिख धर्म की उपस्थिति सुदीर्घ और प्रभावशाली रही है, जिसका प्रतीक हैं शहर के तीन प्रमुख ऐतिहासिक गुरुद्वारे शाजहानाबाद, हमीदिया रोड और इदगाह हिल्स। शाजहानाबाद स्थित गुरुद्वारा नानकसर 19वीं सदी में स्थापित हुआ और आज भी गुरबाणी, संगत और लंगर की परंपराओं को जीवंत रखे हुए है। हमीदिया रोड का गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा शहर का प्रमुख धार्मिक व सामाजिक केंद्र है, जहाँ कीर्तन, शिक्षण शिविर और सामूहिक सेवाएं नियमित रूप से होती हैं। वहीं इदगाह हिल्स स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार आध्यात्मिक शांति व प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण स्थल है, जहाँ पर्वों पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में एकत्र होते हैं। ये तीनों गुरुद्वारे न केवल धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि सेवा, एकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल भी पेश करते हैं।डेढ़ सौ साल पुराना चर्च, भोपाल की सबसे पुरानी चर्चें शहर के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विविधता का प्रमाण हैं। सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी कैथेड्रल चर्च 150 वर्षों से अधिक पुराना है और नवाब सिकंदरजहां बेगम की अनुमति से ब्रिटिश काल में बना। इसकी वास्तुकला और शांति इसे प्रार्थना का प्रिय स्थल बनाते हैं। सेंट जोसेफ कैथोलिक चर्च एक शांत वातावरण वाला यह चर्च, भोपाल की सबसे पुरानी पूजा स्थलों में से है, जो सामुदायिक कार्यक्रमों और त्योहारों में सक्रिय भूमिका निभाता है। इन्फेंट जीसस चर्च की सुंदर वेदी और क्रिसमस के अवसर पर भव्य सजावट इसे विशेष बनाती है। यह धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। इन चर्चों की उपस्थिति भोपाल की सर्वधर्म समभाव की परंपरा को और मज़बूत बनाती है।

भाईचारे की कहानियां रिश्तों की गर्मी

भोपाल एक ऐसा शहर है जहां किसी एक विशेष समुदाय के मोहल्ले नहीं बल्कि सारे समुदाय समझदारी, भाईचारा और आपसी प्रेम के साथ एक साथ रहते हैं। किसी आपदा-विपदा में एक-दूसरे की मदद करते नजर आते हैं। मैं खुद भोपाल के इतवारा मोहल्ले का निवासी रहा हूँ। हमारे पुश्तैनी मकान के सामने साहू समाज का परिवार रहता था, जो आज भी हमारे दिल के बेहद करीब है। मेरी बहन ने इस परिवार को राखी बाँधी थी। मेरी बारात में ये परिवार हमारे साथ सीहोर तक गया, और जब 1977 में मेरी माताजी का निधन हुआ, तो पहली रसोई इन्हीं के घर से आई। आज भी हमारे सुख-दुख में वही आत्मीयता बरकरार है।

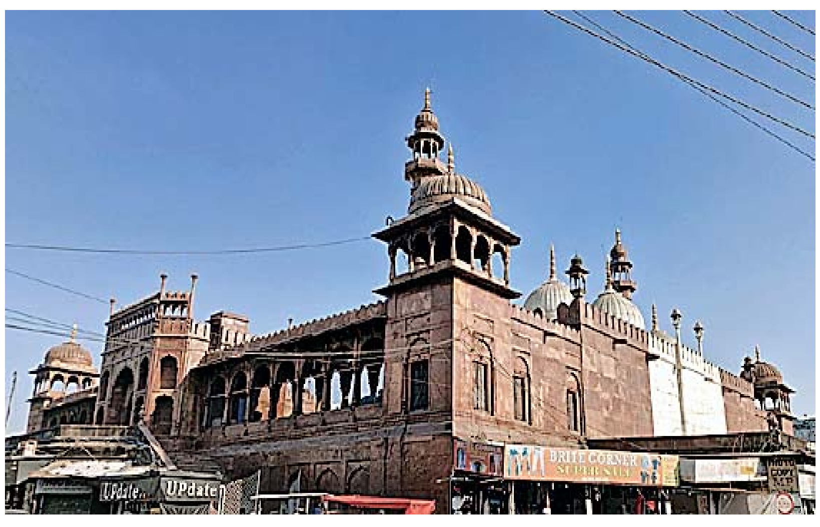

लेखक जनसंपर्क विभाग के रिटायर्ड अधिकारी है

बाधाएं हमें समृद्ध करती हैं... साहस, ईमानदारी और ज्ञान की अदम्य प्यास करें यात्रा

■ **लिज मेटनर**

एक महिला के रूप में, शिक्षा व भौतिकी में कॅरिअर की तलाश में मुझे पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ा। कई समस्याओं ने मेरा रास्ता रोका, लेकिन इन कठिन अनुभवों ने निस्संदेह मानव प्रकृति और सामाजिक संरचनाओं की नाजुकता के बारे में मेरी समझ को आकार दिया। सबसे अंधेरे समय में भी, ज्ञान की खोज एक प्रकाश-स्तंभ बनी रही, जो मानव मन की स्थायी शक्ति का प्रमाण है। इसके अलावा, जीवन हमें दृढ़ता का महत्व सिखाता है। किसी भी सार्थक प्रयास में रुकावटें और विफलताएं अपरिहार्य हैं।जीवन में सफलता इन चुनौतियों से बचने में नहीं, बल्कि उनसे सीखने में निहित है। ज्ञान की खोज शायद ही कभी एक सीधी रेखा होती है। यह अनगिनत मोड़ और अप्रत्याशित बाधाओं से भरी होती है। फिर भी, इन बाधाओं पर काबू पाने में ही हम अक्सर सबसे गहन अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं। हर बाधा एक अवसर है, जो हमें न केवल मजबूत बनाती है, बल्कि ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने की हमारी यात्रा को और समृद्ध करती है। इसलिए, अपने सपनों का पीछा करें। विज्ञान ने मेरे जीवन को बहुत प्रभावित किया और हर कदम पर मुझे प्रेरित किया।सबसे गहन खोजें अक्सर अलग-अलग दृष्टिकोणों के संगम से, कठोर बहस से, और स्वयं पर विश्वास रखने से होती हैं। परमाणु विखंडन की खोज इसका एक उदाहरण है, जिसने परमाणु के भीतर बंद अपार ऊर्जा को उजागर किया। पीछे मुड़कर देखने पर, मेरा मानना है कि समस्याओं के समाधान के लिए गहन, आलोचनात्मक, और साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण के साथ-साथ जीवन नैतिक जिम्मेदारी की मांग करता है। यह महत्वपूर्ण है कि हम जो भी कार्य करें, उसे विनम्रता और सच्चाई के साथ करें। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि हमारे कार्य मानवता की बेहतरी के लिए हों।

हमारा व्यक्तिगत योगदान निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन जब सामूहिक मानवीय भावना और योगदान हो, और खोज व समझने की साझा इच्छा हो, तो हम वास्तव में प्रगति करते हैं। हम उन लोगों के कंधों पर खड़े हैं, जो हमसे पहले आए थे, और हमारा अपना काम भविष्य की पीढ़ियों के लिए नींव रखता है। जीवन सीखने, सवाल करने और उस शानदार ब्रह्मांड को समझने के प्रयास की एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें हम रहते हैं। यह एक ऐसी यात्रा है, जिसे साहस, ईमानदारी और ज्ञान की अदम्य प्यास के साथ सबसे अच्छी तरह से किया जा सकता है। ***- साभार***

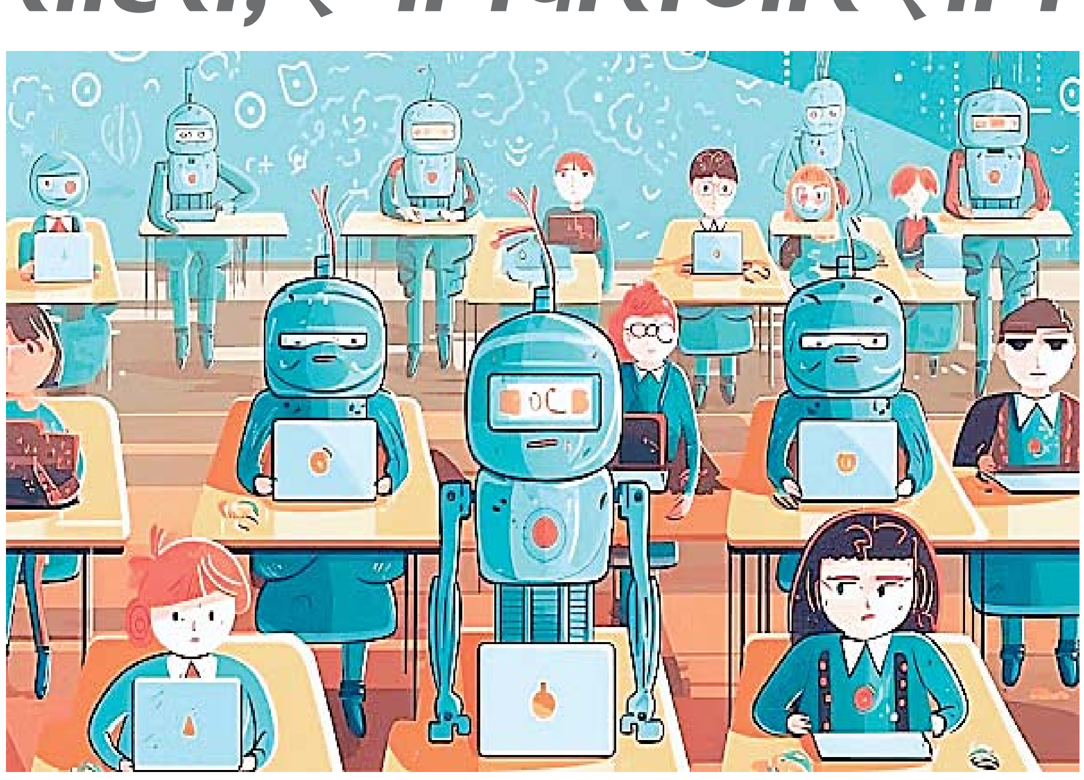

एक्सीलेंस कॉलेज के विधि प्रशिक्षुओं ने नशा मुक्ति केंद्र एवं मुस्कान बालिका केंद्र का जायजा किया

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विजय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह, नर्मदा उत्कृष्टता महाविद्यालय के प्राचार्य राम कुमार चौकसे , विधि विभाग की विभागाध्यक्ष अपूर्वा वर्मा, पूजा अवस्थी के निर्देशन में छात्रों ने इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत इटारसी स्थित मुस्कान बालिका देखभाल केन्द्र, जीवोदय एवं लक्ष्य नशा मुक्ति केन्द्रों का भ्रमण किया, जहां उन्होंने बच्चों को विभिन्न अपराधों से बचाने की कार्यप्रणाली देखी तथा यह भी देखा कि किस प्रकार ऐसे केन्द्र भोजन, आश्रय, शिक्षा प्रदान करते हैं। मुस्कान केन्द्र की संचालिका रितु ठाकुर ने प्रशिक्षुओं को बताया कि हम बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं। इसके अलावा प्रशिक्षु लक्ष्य नशा मुक्ति केंद्र गए जहां निर्देशक निहारिका मालवीय ने उन्हें बताया कि हम नशा मुक्त समाज बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, साथ ही प्रशिक्षुओं में से एक डॉ. मयंक तोमर जो रेड क्रॉस सोसाइटी के सक्रिय सदस्य हैं और जिला प्रशासन की ओर से प्रेरक वक्ता के रूप में भी काम करते हैं, ने अपने विचार साझा किए और सभी को नशा छोड़ने के लिए अनुरोध किया, डॉ. तोमर ने मरीजों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा सब कुछ नष्ट कर देता है, जो किसी भी चीज का आदी हो जाता है वह अपना जीवन, परिवार, संबंध नष्ट कर देता है इसलिए बेहतर है कि आज से ही नशे की लत छोड़ दी जाए सत्र के दौरान कानून के छात्र डॉ. मयंक तोमर, केशुजा सोलंकी, शिवनारायण कटारे, मयंक दुबे,सौम्या दुबे, संकेत सेंगर,मुस्कान कुशराम,रिंकू वर्मा प्रणीता मंडल, पंकज तिवारी,आदर्श चुटिले, सौम्या गुरु,राशि दुबे,आदि प्रशिक्षु उपस्थित थे।

एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए जमा किए समर्थन पत्र

गंजबासौदा , दोपहर मेट्रो

एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए सामाजिक संगठनों ने विधायक कार्यालय में कई सामाजिक संगठनों ने समर्थन पत्र जमा किए है। सामाजिक संगठनों का कहना है कि यह क्रांतिकारी कदम है। जो भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत पारदर्शी और कुशल बना सकता है। इससे न केवल सरकार के कार्यों में निरंतरता आएगी, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता भी सुदृढ़ होगी। अतः हम इस प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करते हैं और इसे लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की अनुशंसा करते हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन मे सामाजिक सांस्कृतिक कर्मचारी संगठनो ने समर्थन पत्र जमा किए। इस अवसर पर राजेश तिवारी प्रदेश कार्य समिति सदस्य भाजपा, प्रेमनारारायण विश्वकर्मा विश्वकर्मा बोर्ड अध्यक्ष, सुरेंद्र शर्मा नगर मंडल अध्यक्ष, समीर किरमानी जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा, सैयद शफाकत हुसैन कादरी राष्ट्रीय सह संयोजक मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ,नारायण सोनी पार्षद,

महेंद्र सिंह ठाकुर वरिष्ठ कर्मचारी नेता, काशीराम साहू, महेंद्र सिंह रघुवंशी , परसराम दुबे संभागीय अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य कर्म संघ सहित अनेक गणमान्य नागरिक व विभिन्न 87 सामाजिक सांस्कृतिक कर्मचारी संगठनो के पदाधिकारीगण मौजूद हुए।

समग्र पोर्टल 26 मई तक अस्थाई रूप से रहेगा बंद

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा संचालित समग्र पोर्टल एवं इससे संबंधित समस्त एप्लिकेशंस (Samagra / SPR / BPL / Web Services) के लिए सर्वर संधारण एवं सुधार कार्य किया जाना है। मेंटेनेंस गतिविधियों के लिए समग्र पोर्टल को 26 मई 2025 प्रात: 8 बजे तक अस्थायी रूप से बंद रखा जाएगा। प्राधिकृत अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार सर्वर मेंटेनेंस के बाद समग्र एप्लिकेशन की दक्षता और कार्यक्षमता में सुधार होगा, जिससे उपयोगकर्ताओं को समग्र एप्लिकेशन सॉफ्टवेर से और बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी।

संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक ली

शराब के अवैध कारोबार व तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए

कमिश्नर ने नवीन खदान चिन्हित करने के निर्देश दिए

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने गत दिवस खाद उपभोक्ता संरक्षण विभाग, आबकारी विभाग, जिला परिवहन विभाग, खनिज विभाग, पंजीयन विभाग, वाणिज्य एवं विधि माप विज्ञान विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने सभी जिला आबकारी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने-अपने जिले में अवैध शराब की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाते हुए अवैध शराब की तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान बताया गया कि नर्मदापुरम में 62 बैतूल में 64 एवं हरदा में 18 कंपोजिट मदिरा दुकान संचालित की जा रही है। पवित्र क्षेत्र मुलताई में शासन के निर्देशानुसार शराब की बिक्री एवं शराब दुकान पूर्णतया बंद है। खनिज विभाग की समीक्षा के दौरान कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी खनिज अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने जिले में नवीन गौण खदानों को चिन्हित करें। बताया गया कि हरदा में दो, बैतूल में 20 एवं नर्मदापुरम में 38 नवीन खदानें चिन्हित किए गए हैं और इसका प्रस्ताव ग्राम पंचायत को भिजवाया गया है लेकिन ग्राम पंचायत से अभी प्रस्ताव पारित न होने के कारण तथा उसमें ग्राम पंचायत की एनओसी न मिलने के कारण नवीन खदानों में काम शुरू नहीं किया गया है। कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के दर्ज प्रकरण में तेजी लाई जाए। बताया गया कि नर्मदापुरम में अवैध खनन परिवहन भंडारण के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं और अर्थ दंड भी लगाया गया है, इसके तहत नर्मदापुरम में 3 लाख 17 हजार 917 रुपए का अर्थ दंड अवैध उत्खनन परिवहन करने वालों पर लगाया गया है। इस तरह हरदा में 10 लाख 3 हजार 401 रुपए एवं बैतूल में 12 लाख 9 हजार 903 रुपए का अर्थ दंड लगाया गया है। कमिश्नर ने आबकारी विभाग में अनुकंपा नियुक्ति, पेंशन के प्रकरण और सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों की समीक्षा की और निर्देश दिए की कोई भी प्रकरण लंबित न रहे।

समीक्षा बैठक में जिला पंजीयन अधिकारियों ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार संपदा 2.0 पोर्टल के अंतर्गत सभी कार्य किये जा रहे हैं। संपदा से लिंक के लिए आधार ई केवाईसी लिंक करना आवश्यक है उन्होंने राजस्व प्राप्ति की जानकारी से कमिश्नर को अवगत कराया।

कमिश्नर श्री तिवारी ने जिला परिवहन विभाग की समीक्षा करते हुए सभी जिला परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह आगामी शैक्षणिक सत्र में पुनः एक बार महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लर्निंग लाइसेंस बनाने के लिए शिविर आयोजित करें और छात्र-छात्राओं के लर्निंग लाइसेंस बनाएं। उन्होंने निर्देश दिए की स्कूली शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पश्चात सभी स्कूली बसों के फिटनेस की नियमित रूप से चेकिंग की जाए और ड्राइवरो के ड्राइविंग लाइसेंस भी चेक किये जाए। बताया गया कि विगत शैक्षणिक सत्र में नर्मदापुरम में विभिन्न महाविद्यालय में 50 एवं हरदा में 17 लर्निंग लाइसेंस बनाने हेतु कैंप आयोजित किये गए थे। कमिश्नर श्री तिवारी ने खाद्य विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की एफपीएस स्टाक का सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाए। गेहूं उपार्जन में किसानों का भुगतान शत प्रतिशत किया जाए। बताया गया कि नर्मदापुरम में गेहूं उपार्जन का लगभग 86त्न राशि का भुगतान किसानों को कर दिया गया है और शेष बचे भुगतान को भी पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। बैतूल में 97त्न एवं हरदा में 97त्न किसानों को उपार्जन का भुगतान कर दिया गया है। बजट प्राप्त होते ही शेष सभी किसानों को भुगतान कर दिया जाएगा। बताया गया कि नर्मदापुरम संभाग में ई केवाईसी कराने का औसत 88त्न है। ई केवाईसी का कार्य तेजी से किया जा रहा है। अब तक नर्मदापुरम में 7 लाख 19 हजार 83 हितग्राहियों के हरदा में 3 लाख 3 हजार 205 और बैतूल में 21 लाख 7 हजार 686 हितग्राहियों की ई केवाईसी कराई जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना अंतर्गत नर्मदापुरम में 4830 परिवार के लक्ष्य के विरूध 2757 परिवारों को राशन वितरण किया जा रहा है। बैतूल में 88 हजार 690 परिवारों को राशन दिया जा रहा है। कई जगह पहुंच विहीन एवं वहां राशन वाहन के न पहुंचने के कारण राशन वितरण में दिक्कत आ रही है।

समीक्षा बैठक में उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल एवं संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

अहिल्याबाई की जयंती पर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम संपन्न

गंजबासौदा , दोपहर मेट्रो

महारानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर पूर्व विधायक लीना संजय जैन टप्पू के निवास पर महिला मंडल ने एक महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर महारानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें समाज में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना था। महारानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण पर चर्चा की गई और महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। पूर्व विधायक लीना जैन ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को समाज में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में महिलाओं को सम्मानित किया गया और उन्हें समाज में उनकी भूमिका के प्रति प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने अपने विचार साझा किए और समाज में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा की। और सभी उपस्थित महिलाओं ने महारानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एक दूसरे का आभार व्यक्त किया।

पायलट प्रोजेक्ट को लेकर कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक आयोजित

गंजबासौदा , दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा पायलट योजना के तहत विदिशा जिले को चुना गया। जिसमें कांग्रेस की एक विशेष संगठनात्मक बैठक शनिवार को जालोरी गार्डन पूर्वी बस्ती में सम्पन्न हुई।

बैठक में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन प्रभारी संजय कामले, मतदाता सूची प्रभारी ललित सेन, जिले के प्रभारी पूर्व मंत्री प्रभु सिंह ठाकुर, जिला सह प्रभारी संजय अहिरवार, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोहित रघुवंशी पूर्व विधायक निशंक जैन और गंजबासौदा विधानसभा के पायलट प्रोजेक्ट प्रभारी राजेश मिश्रा मौजूद रहे। इसमें पंचायत और वार्ड कमेटियों के गठन और क्रियान्वयन पर चर्चा हुई एवं संगठन को मजबूत बनाने जैसे गंभीर मुद्दों पर भी चर्चा की गई । जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा भेजी गई टीम भी बैठक में शामिल रही । वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि, ब्लॉक अध्यक्ष, मंडलम और सेक्टर अध्यक्ष, बीएलए, सभी मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारी , समस्त पार्षद गण और पदाधिकारी सहित सक्रिय कार्यकर्ता बैठक में उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर खापर खेड़ा निवासी चैन सिंह के संघर्ष ने बनाया उसे सफल व्यवसायी

सरकारी योजना से लाभ लेकर आइसक्रीम व्यवसाय का किया विस्तार, बनाई आधुनिक फैक्ट्री

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

पीएमएफएमई योजना जैसे नवाचारात्मक कार्यक्रम ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देकर आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर ले जाते हैं। यह योजना स्थानीय स्तर पर खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को तकनीकी, वित्तीय एवं विपणन सहायता प्रदान करती है, जिससे उद्यमी न केवल अपने व्यवसाय को स्थिरता प्रदान कर पाते हैं बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित करते हैं।

चैन सिंह पटेल की कहानी उन सभी युवाओं और उद्यमियों के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं।

1 लाख का ऋण लेकर छोटे स्तर पर की थी शुरुआत

ग्राम खापरखेड़ा, तहसील पिपरिया, जिला नर्मदापुरम के निवासी चैन सिंह पटेल ने आइसक्रीम निर्माण और विक्रय के क्षेत्र में वर्षों तक संघर्ष किया, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल पाई। वर्ष 1998 में उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार योजना के

अंतर्गत 1 लाख रुपए का ऋण लेकर छोटे स्तर पर आइसक्रीम यूनिट की शुरुआत की थी। लेकिन बढ़ती प्रतिस्पर्धा और सीमित संसाधनों के कारण उनका व्यवसाय अपेक्षित ऊंचाईयों तक नहीं पहुंच सका।

परंतु, केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना (PMFME) ने श्री पटेल के जीवन में बदलाव की नई कहानी लिखी। उद्यानिकी विभाग के माध्यम से उन्हें इस योजना के अंतर्गत 28 लाख रुपए का ऋण प्राप्त हुआ, जिसमें से 9 से 10 लाख रुपए तक की सब्सिडी शासन द्वारा दी गई। इस आर्थिक सहायता का उन्होंने अपने आइसक्रीम व्यवसाय को आधुनिक बनाने और विस्तार करने में उपयोग किया।

इस योजना की मदद से न सिर्फ उनका व्यवसाय सशक्त हुआ, बल्कि उन्होंने प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी सशक्त पहचान भी बनाई। आज वे अपने उत्पादों की बिक्री से 20 से 30 लाख रुपए की वार्षिक आय प्राप्त कर रहे हैं। श्री पटेल अब बाजार में अन्य कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं। उल्लेखनीय है कि गत दिवस कलेक्टर सोनिया मीना ने भी उक्त आइसक्रीम फेक्ट्री का भ्रमण कर आइसक्रीम निर्माण की प्रक्रिया का निरीक्षण किया था।

उन्होंने अपने इस सफर के लिए जिला प्रशासन, उद्यानिकी विभाग, एवं कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया, जिन्होंने इस योजना के माध्यम से छोटे एवं मध्यम स्तर के उद्यमियों को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

बन्दूकों के साए में बकाया बिजली की वसूली, 7.5 करोड़ का बकाया, ए ई को बिजली विभाग ने 2 गनर दिए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कई बार खबरें देखने में आती है कि वसूली करने गए बिजली विभाग के कर्मचारियो पर बकायादारों ने हमला कर दिया ओर बिजली विभाग के कर्मचारियों को भाग कर जान बचानी पड़ी द्य ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही थी ।

इसका बिजली विभाग ने हल निकाल लिया है, अब बिजली विभाग के अधिकारीयों को गनर दिये गए है ।

सिरोंज के ए ई सुशील सभेले को दो गनर उनकी सुरक्षा के लिय विभाग ने उपलब्ध करवाये है जो वसूली के समय ओर चेकिंग के समय कंधे पर बन्दूक टांग कर उनके साथ चलते है इसके अलावा एक गनर ग्रामीण क्षेत्र के ए ई को भी उपलब्ध कराया गया है इस बारे में मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी मध्य क्षेत्र के सिरोंज ए ई सुशील सभेले ने बताया कि सुरक्षा गार्ड मिलने से काम पर काफ़ी प्रभाव पड़ा है ।

पहले कनेकशन चेक करने जाते थे तो लोग इकठ्ठा होकर दबाब बना लेते थे चेकिंग नहीं करने देते थे, बकाया दारों का कनेकशन काटने जाओ तो वो भी दबंगई करते थे काम नहीं करने देते थे गार्ड मिलने से कॉन्फिडेंस मिला है अब पहले के मुकाबले ठीक से काम हो रहा है सिरोंज में 7.5 करोड़ बिजली का बकाया है, जिसकी वसूली में अब सहूलियत होगी बकाया दारों के खिलाफ हम कार्यवाही कर पाएंगे।

वन व्यवस्थापन के संबंध में प्रशिक्षण 28 को होगा, बारिश में करंट से बचने एडवायजरी जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार जिले में वन व्यवस्थापन संबंधी लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष पहल की जा रही है। उक्त कड़ी के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम 28 मई को आयोजित किया गया है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित होने वाला उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से शुरू होगा।

अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने बताया कि विदिशा जिले में काफी समय से वन व्यवस्थापन के प्रकरणों पर कार्यवाही लंबित है, जिसमें जिले के समस्त वन व्यवस्थापन अधिकारी एवं वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा कार्यवाही की जाना अपेक्षित है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में समस्त अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, उपवनमण्डलाधिकारी, वन परिक्षेत्र अधिकारी शामिल होंगे।

बारिश में करंट से बचने के सतर्कता एवं एडवायजरी का पालन करने का अनुरोध - मॉनसूनी मौसम के दौरान हवा में नमी के कारण

करंट लगने की आशंका ज्यादा रहती है। करंट से लोगों की मौत हो जाती है। लेकिन ज्यादातर मौतों को टाला जा सकता है। ज्यादातर मौतें घरों में अर्थिंग नहीं होने या कमजोर अर्थिंग की वजह से होती है। अर्थिंग या तो स्थानीय स्त्रोत से प्राप्त की जा सकती है या घर पर ही गहरा गढ़डा खोदकर खुद बनाई जा सकती है। बारिश में बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए विद्युत विभाग द्वारा एडवायजरी जारी की गयी है। जारी एडवायजरी में घर में अर्थिंग की उचित व्यवस्था रखें। हरे रंग के तार को हमेशा याद रखें, इसके बिना कभी बिजली उपकरण का प्रयोग न करें, खास कर जब यह पानी के स्त्रोत को छू रहा हो। पानी करंट के प्रवाह की गति को बढ़ा देता है, इसलिए नमी वाले माहौल में अतिरिक्त सावधानी रखें। दो पिन वाले बिना अर्थिंग के उपकरणों का प्रयोग न करें। तीन पिन वाले प्लग का प्रयोग करते समय ध्यान रखें कि तीनों तार जुड़े हों और पिने खराब न हों। तारों को साकेट में लगाने के लिए माचिस की तीलियों का प्रयोग न करें। किसी भी तार को तब तक न छुएं, जब तक बिजली बंद न कर दी गई हो। अर्थिंग के तार को न्यूट्रल के विकल्प के तौर पर प्रयोग न करें। सभी जोड़ों पर बिजली वाली टेप लगाएं, न कि सेलोटेप या बेंडेड। गीजर के पानी का प्रयोग करने से पहले गीजर बंद कर दें। हीटर प्लेट का प्रयोग नंगी तार के साथ न करें। घर पर सूखी रबड़ की चप्पलें पहनें। घर पर मिनी सर्किट ब्रेकर और अर्थ लीक सर्किट ब्रेकर का प्रयोग करें। मेटलिक बिजली उपकरण पानी के नल के पास न रखें। रबड़ के मैट और रबड़ की टांगों वाले कूलर स्टैंड बिजली उपकरणो को सुरक्षित बना सकते हैं। केवल सुरक्षित तारें और फ्यूज का ही प्रयोग करें। अर्थिंग की जांच हर छह महीने में करते रहें। किसी भी आम टैस्टर से करंट के लीक होने का पता लगाया जा सकता है। फ्रिज के हैंडल पर कपड़ा बांध कर रखें।

कलेक्टर ने ली निर्माण कार्यों की समीक्षा

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज जिले में क्रियान्वित निर्माण कार्य की समीक्षा कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में की। उन्होंने विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। निर्माण कार्यो पर सतत नजर रखने के भी निर्देश उन्होंने दिए है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्माण कार्यो के दौरान अन्य विभागो से संबंधित समस्याओं के समाधान के उद्धेश्य से आयोजित इस बैठक में उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर बारिश से पहले सभी कार्य पूर्ण कराएं ताकि आवागमन प्रभावित ना हो सकें। साइन बोर्ड कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्माण ऐजेन्सी को निर्देश दिए है कि निर्माण कार्यो के स्थलो पर सूचना पटल अवश्य लगाएं ताकि निर्माण कार्यो से संबंधित जानकारी सुगमता से प्राप्त हो सकें। इसी प्रकार सडको के निर्माण कार्यो के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना ना हो इसके लिए साइन बोर्ड बडे पैमाने पर ऐसे स्थलों पर लगाएं जहां से सुगमता से देखा जा सकें। एम्बुलेंस कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक के दौरान नेशनल हाईवे और एमपीआरडीसी के निर्माण कार्य खासकर सडको के निर्माण की समीक्षा के दौरान उन्होंने नियत स्थलो पर एम्बुलेंस रखने की क्रियान्वित

कलेक्टर ने बैंक की वित्तीय स्थिति को ओर सुदृढ. बनाये जाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव व निर्देश दिए - कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने शनिवार को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. विदिशा का भ्रमण किया।

शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान सीहोर में छात्रो के प्रवेश हेतु चयन प्रक्रिया हेतु आवेदन आमंत्रित

सिरोंज। विदिशा प्रदेश के लोक शिक्षण संचालनालय अधीनस्थ संचालित शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान सीहोर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के छात्रो को प्रवेश की कार्यवाही की जानी हैं। अभ्यार्थीयों को प्रवेश हेतु आनलाईन आवेदन 16 जून तक लिंक पर करना होगा। प्रवेश हेतु अनिवार्य अहंताए, प्रवेश हेतु चयन प्रकिया एवं छात्रों के लिए दिशा निर्देश का अवलोकन किया जा सकता है। कक्षा 9 वी से 12 तक के छात्रो का प्रवेश हेतु चयन प्रक्रिया विदिशा जिले की सभी शिक्षण संस्थाओं को इस संबंध में निर्देशित किया गया है कि अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें जिससे कि प्रदेशभर के सभी इच्छुक खिलाड़ी छात्रों को शिक्षा विभाग द्वारा संचालित इस उक्त आवासीय खेल विघालय में प्रवेश ले सकें।

तैयारियों संबंधी बैठक सोमवार 26 को आयोजित

सिरोंज। विदिशा अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के परिपेक्ष्य में की जाने वाली तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्धेश्य से एक बैठक सोमवार 26 मई की दोपहर तीन बजे से जिला पंचायत के सभागार में आयोजित की गई है। सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक एवं जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ श्री पंकज जैन ने बताया कि प्रतिवर्ष 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष जिले में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रमो का आयोजन एक जून से 26 जून तक आयोजित किए जाएंगे। लगभग एक माह तक चलने वाले उक्त कार्यक्रम के लिए अंतिम स्वरूप देने के उद्धेश्य से आयोजित बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी, महाविद्यालयो के प्राचार्य, जिला खेल अधिकारी, जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक, अध्यक्ष क्रमशः लायंस क्लब, रोटरी क्लब, रेडक्रास सोसायटी, अजन्ता ललित कला समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष को आमंत्रित किया गया है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता श्री संजीव जैन, गायत्री परिवार के अध्यक्ष ओर ब्रहमकुमारी सपना बहन प्रजापति तथा मॉ शीतला ह्यूमन डेव्हलपमेंट सोसायटी के अध्यक्ष को बैठक में सम्मिलित होने हेतु सूचना सम्प्रेषित की गई है।

मोटरसाइकिल से बछड़ों को ले जाने का, वीडियो आया सामने, बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद ने की शिकायत

सिरोंज। वर्धमान प्रेस वाली गली में से मवेशियों के बछड़े ले जाने का वीडियो वायरल हुआ है । इसके बाद बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने एसडीओपी और थाना प्रभारी को आवेदन देते हुए सामाजिक समरसता प्रमुख राकेश सक्सेना ने कहा कि गली में मवेशियों के बच्चों को इंजेक्शन लगाकर मोटरसाइकिल से दो लोग लेकर जा रहे हैं वीडियो में दो लोग मोटरसाइकिल बछड़े को ले जाते हुए नजर आ रहे हैं। जांच कर करके ऐसा करने वाले अपराधियों पर कड़ी करवाई की जाए इसके बाद पुलिस मौके पर जांच पड़ताल करने के लिए भी पहुंचीं। वहीं इस तरह से अपराध करने का कार्य यदि हो रहा है तो पुलिस को उसकी जानकारी एकत्रित करके कार्रवाई करनी चहिए।

2 घंटे तक हुई भारी बारिश ,तालाब बने खाली प्लाट, निचली बस्तियों में घुटनो तक भर आया पानी

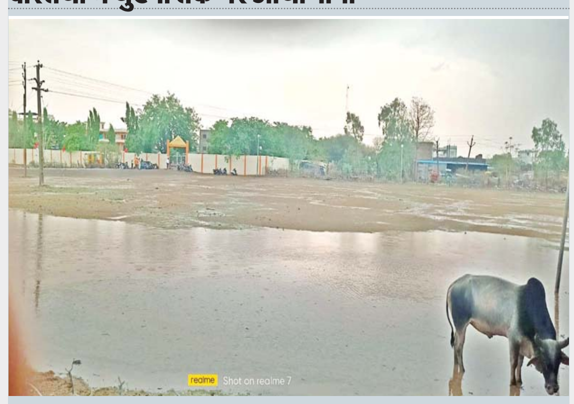

सिरोंज। इस महीने में बारिश का दोर निरंतर जारी है इस समय ऐसा लग रहा है की बरसात का महीना चल रहा हो उसी तरह पानी गिर रहा है।शुक्रवार को तो दोपहर के बाद 2 घंटे तक झमाझम बारिश होने से सड़कें तालाब बन गई ऐसा लग रहा था की बरसात का महीना प्रारंभ हो गया भारी बारिश के कारण खाली प्लाट पानी से लव लव भरे हुए थे।इसी तरह सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के आगे वाला ग्राउंड तलाब जैसा नजर आ रहा था दूसरी और निचली बस्तियां में रहने वाले लोगों की मुश्किलें पानी ने बढ़ा दी यहां पर घुटनों घुटनों से ऊपर-पानी दिखाई दे रहा था कई लोगों के घरों में पानी भर जाने से घर गृहस्ती का सामान भी खराब हो गया जिसको बरसात रुकने के बाद पानी को निकाला और सामान को साफ करने में लोग लगे रहे इसके अलावा नालियों चौंका होने से सड़कों पर गंदगी भी तैर रही थी बारिश से मौसम सुहाना हो गया और गर्मी से राहत मिल गई।

बारिश पूर्व नालों की सफाई के लिए चल रहे अभियान को देखने पहुंचे अध्यक्ष

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

बरसात से पहले नगरपालिका परिषद के द्वारा एसडीएम के निर्देश पूरे नगरीय क्षेत्र के समस्त नालों की सफाई का कार्य धरातल पर करने के लिए विशेष प्रारंभ किया इसमें युद्ध स्तर तेज गति से काम उसको को देखने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू , पहुंचे और उन्होंने कहा कि बारिश से पूर्व सभी नाले अच्छे से साफ हो जाए जिससे की बारिश का पानी कहीं ना रुके शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 2 नवीन बस स्टैंड से लेकर एक्सचेंज रोड वाले नाले की सफाई तथा वार्ड 18 एवं 19 में स्थित नाले की सफाई का कार्य नगरपालिका की जे.सी.बी, पोकलेन मषीन एवं लेवर द्वारा किया गया। नाले की सफाई का कार्य नगरपालिका अध्यक्ष श्री मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष , मनोज शर्मा साईनाथ, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श रामप्रकाष साहू, स्वास्थ्य अधिकारी , धीरज मैना के

द्वारा समक्ष में रहकर सामने ही सफाई का कार्य कराया गया। एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी रामप्रकाष साहू एंव स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना ने बताया गया कि नगर के समस्त नालों की सफाई का कार्य वर्षा पूर्व करा दिया ।

पॉलिटेक्निक में प्रवेश पाने का सुनहरा अवसर, एक जून तक करें ऑनलाइन आवेदन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर योजना के अंतर्गत शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय लटेरी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 1 जून 2025 तक क्रियाशील रहेगी। यह प्रवेश प्रक्रिया अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के साथ-साथ अन्य सभी वर्गों के इच्छुक छात्रों के लिए उपलब्ध है।

कक्षा दसवीं के अंकों के आधार पर छात्रों को मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, और इलेक्ट्रॉनिक एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश मिलेगा।

महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ. बृजेश कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि, हमारा लक्ष्य छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना है। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति के छात्रों को कई विशेष सुविधाएं जैसे निशुल्क छात्रावास, निशुल्क भोजन, निशुल्क स्टेशनरी और पुस्तकें तथा 1000 रूपये प्रति माह छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाती हैं।

प्रवेश प्रक्रिया और सुविधाएं - विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए एमपी ऑनलाइन किओस्क के माध्यम से पंजीकरण कराना होगा। इस वर्ष काउंसलिंग प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का सहारा लिया गया है, जिससे सभी छात्रों को बिना किसी परेशानी के आवेदन करने की सुविधा मिलेगी। जॉब प्लेसमेंट - महाविद्यालय से स्नातक होने वाले छात्रों के लिए जॉब प्लेसमेंट एक महत्वपूर्ण पहलू है। प्राचार्य ने बताया। संस्था में प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा 100 प्रतीशत जॉब प्लेसमेंट की सुनिश्चितता है। संपर्क जानकारी - इस अवसर का लाभ उठाने के लिए इच्छुक छात्र महाविद्यालय में आकर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए छात्र निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क कर सकते हैंरू 9426961590, 9755564243, 8839235653, 7047704730।

निष्कर्ष - डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर योजना के अंतर्गत शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय लटेरी में प्रवेश पाने का यह सुनहरा अवसर न केवल शैक्षणिक बल्कि व्यक्तिगत विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। सभी इच्छुक छात्र इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं और अपने करियर की दिशा निर्धारित करें।

मेट्रो एंकर | **आबाद होगा जंगल: बाघ-तेंदुए, चीतों वाला देश का पहला वाइल्ड लाइफ टाइगर रिजर्व**

दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीते आने में लगेगा साल, अभी तक नहीं हो पाया है सर्वे

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीते आने वाले हैं यह देश का ऐसा पहला टाइगर रिजर्व होगा जहां बाघ, तेंदुए व चीते एक ही जगह देखे जाएंगे। इसके पहले प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क और गांधीसागर अभयारण्य में चीता शिफ्टिंग प्रोजेक्ट सफल रहा है।

15 साल पहले चीतों की बसाहट के लिए सर्वे हुआ था। उस समय नौरादेही अभयारण्य था। इसकी तीन रेंज मुहली, सिंहपुर और झापन को चीता की बसाहट के अनुकूल माना गया था। टाइगर रिजर्व के अफसर और वाइल्ड लाइफ के जानकारों के अनुसार चीता आने में एक साल का समय लग सकता है। दरअसल, अभी एक और सर्वे बाकी है। वहीं फेंसिंग और

चीतों को बसाने के बीच फेंसिंग व गांवों के विस्थापन का काम भी अधूरा

गांवों के विस्थापन का काम भी अधूरा है

डब्ल्यूआईआई ने चिह्नित किए दो नए स्थान

भारतीय वन्य जीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) देहरादून की टीम ने चीते की बसाहट के लिए दो नए स्थान चिन्हित किए हैं। उनमें गुजरात के बन्नी ग्रासलैंड रिजर्व के अलावा दमोह सागर के इस टाइगर रिजर्व को शामिल किया गया है। डब्ल्यूआईआई भारत के चीता

प्रोजेक्ट की नोडल एजेंसी भी है माना जा रहा है कि अगले वर्ष तक यहां चीतों की शिफ्टिंग हो जाएगी। अगर ऐसा होता है तो वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व देश का पहला ऐसा वाइल्ड लाइफ एरिया होगा जहां बिग केट फैमिली के तीन सदस्य एक साथ दिखेंगे अभी रिजर्व में टाइगर और तेंदुए की बसाहट है। चीतों के आने से इस परिवार की तीन प्रजातियां हो जाएंगी। डब्ल्यूआईआई ने देश में सबसे पहले दमोह सागर के इस टाइगर रिजर्व को चिन्हित किया था। वर्ष 2010 में यहां पहला सर्वे किया गया था। जिसमें रिजर्व की तीन रेंज मुहली, सिंहपुर और झापन को चीता की बसाहट के अनुकूल माना गया था। एनटीसीए के डीआईजी डॉ. वीवी माथुर और डब्ल्यूआईआई के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी के साथ वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की तीनों रेंज मुहली, झापन और सिंहपुर का दो दिन तक मैदानी मुआयना किया। जानकारों के अनुसार यह तीनों रेंज चीता की बसाहट के लिए आदर्श स्थान हैं। यहां घास के लंबे व खुले स्थान हैं दुर्गावती टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी ने बताया कि हाल ही में चीता की शिफ्टिंग के संबंध में सर्वे टीम आई थी। चीते आने में अभी 1 साल का वक्त लग सकता है। कुछ तैयारियां बाकी हैं। हालांकि अभी अधिकृत तौर पर हमारे पास चीता शिफ्टिंग को लेकर कोई पत्र नहीं आया है।

प्रदेश में प्रोजेक्ट चीता 2022 में शुरू हुआ था। नामीबिया से आठ और दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों को कूनो नेशनल पार्क में लाया गया था। कूनो में शावकों को मिलाकर 29 चीते हैं। इनके अलावा दो चीते गांधीसागर भेजे जा चुके हैं।

एक्सपर्ट कमेंट्स : चीतों के लिए मुफीद है दुर्गावती टाइगर रिजर्व

जबलपुर के वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट डॉ बसंत मिश्रा ने बातचीत में बताया कि -

1. घास के खुले मैदान: वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के नौरादेही क्षेत्र में काफी पहले चीतों के प्राकृतिक वास के प्रमाण मिले हैं। यहां घास के खुले मैदान हैं नौरादेही से गांवों के विस्थापन के साथ मैदान और फैल रहे हैं। यहां चीते लंबी दौड़ के साथ शिकार कर सकते हैं

2. बड़ा क्षेत्रफल: टाइगर रिजर्व का कोर एरिया 1414 वर्ग किमी है। बफर एरिया- 925.120 वर्ग किमी का है। 600 वर्ग किमी एरिया में चीतों को रखने के लिए मैदान चिन्हित भी किए जा रहे हैं। यह क्षेत्रफल के लिहाज से प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है।

3. पर्याप्त आहार: टाइगर रिजर्व में चीतों को शिकार के लिए चिंकारा, चीतल व काले हिरण की पर्याप्त संख्या है। यही वजह है कि यहां बाघों का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है

4. संघर्ष की आशंका कम: चीतों की यहां बाघ-बाघिन से टकराव जैसी स्थिति बनने की आशंका नहीं है। बाघ बड़े जानवरों का शिकार करता है, जबकि चीता छोटे शाकाहारी वन्य जीवों से पेट भरता है।

टेस्ट सीरीज: भारत के पूर्व बल्लेबाज कोच संजय बांगड़ ने नए कप्तान गिल को दी खास सलाह

इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलिया वाली गलती न दोहराए टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि अगर नए कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टेस्ट टीम इंग्लैंड में सीरीज़ जीतने में सफल होती है, तो अजीत आगरकर की चयन समिति द्वारा लिए गए फैसलों को सही ठहराया जाएगा।

[illegible]

बुमराह को लेकर क्या बोले

संजय बांगड़ ने अजीत आगरकर की इस बात से भी सहमति जताई कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर ज़रूरत से ज़्यादा बोझ नहीं डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि सबसे पहले तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि बुमराह पर अधिक भार न डाला जाए। टीम मैनेजमेंट की ज़िम्मेदारी होगी कि बुमराह के इर्द-गिर्द चुने गए गेंदबाजों का सही उपयोग करें। उन्होंने कहा कि हमने ऑस्ट्रेलिया सीरीज़ में देखा था कि कई ऑलराउंडर्स के बावजूद बुमराह को ज़रूरत से ज़्यादा ओवर करने पड़े। इससे उनकी गेंदबाज़ी की रफ्तार पर असर पड़ा। एक टेस्ट में तो वह 120-129 किमी/घंटा की रफ्तार तक नीचे आ गए थे। अगर आप चाहते हैं कि वह पांच टेस्ट मैच खेले, तो उसके लिए एक मज़बूत बॉलिंग यूनिट साथ में होनी चाहिए। जितने ज़्यादा मैच वह खेलेंगे, भारत के जीतने की संभावना उतनी ज़्यादा होगी।

कुलदीप यादव को मिलनी चाहिए प्राथमिकता

बांगड़ का मानना है कि कुलदीप यादव को इंग्लैंड में भारत का मुख्य स्पिनर होना चाहिए, न कि रवींद्र जडेजा। इंग्लैंड में पहले तीन टेस्ट मैचों के लिए कुलदीप यादव को भारत का फ्रंटलाइन स्पिनर होना चाहिए।

इंग्लैंड में भारत का टेस्ट रिकॉर्ड उतना अच्छा नहीं

इंग्लैंड की धरती पर भारतीय टीम का टेस्ट रिकॉर्ड बेहतर नहीं रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में भारत ने अबतक (1932-2022) 67 टेस्ट मैच खेले है। इस दौरान उसे सिर्फ 9 टेस्ट में जीत मिली है, जबकि 36 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। 22 मैच ड्रॉ भी रहे। एमएस धोनी (2011-2014) का कप्तान के तौर पर इंग्लैंड की धरती पर सबसे खराब रिकॉर्ड रहा। उनकी कप्तानी में इंग्लिश धरती पर भारत को 9 टेस्ट मैचों में से सिर्फ एक में जीत मिली, जबकि सात में हार का सामना करना पड़ा। एक मैच ड्रॉ पर छूटा।

टेस्ट सीरीज का पूरा शेड्यूल

पहला टेस्ट- 20-24 जून, 2025 - हेडिंग्ले, लीड्स
दूसरा टेस्ट- 2-6 जुलाई, 2025 - एजबेस्टन, बर्मिंघम
तीसरा टेस्ट- 10-14 जुलाई, 2025 - लॉर्ड्स, लंदन
चौथा टेस्ट- 23-27 जुलाई, 2025 - ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर
पांचवां टेस्ट- 31 जुलाई-4 अगस्त, 2025 - द ओवल, लंदन

जापान के युशी टनाका 21-18, 24-22 से हराया

किदांबी श्रीकांत छह साल में पहली बार बीडब्ल्यूएफ टूर्नामेंट के फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने शनिवार को यहां मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जापान के युशी टनाका पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर छह साल में पहली बार बीडब्ल्यूएफ टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश किया। 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सटीक नेट प्ले और आक्रामक खेल की बदौलत दुनिया के 23वें नंबर के खिलाड़ी टनाका को रोमांचक मुकाबले में 21-18, 24-22 से शिकस्त दी।

श्रीकांत ने जीत के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं, काफी समय के बाद यहां तक पहुंचा हूं।
वह रविवार को होने वाले फाइनल में दूसरे वरीय चीन के लि शि फेंग से भिड़ेंगे। श्रीकांत 2019 इंडिया ओपन में उपविजेता रहे थे और इसके बाद से इस 32 वर्षीय खिलाड़ी का बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर में पहला फाइनल है। उन्होंने 2017 में चार खिताब जीते थे। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत पिछले कुछ सत्र में खराब फॉर्म और फिटनेस के दौर से गुजर रहे हैं जिससे अब वह विश्व रैंकिंग में 65वें स्थान पर मौजूद हैं। उन्होंने कहा,शारीरिक रूप से मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। लेकिन मैंने पिछले साल ज्यादा मैच नहीं खेले। अब क्वालीफाइंग खेल रहा हूं। इस बार सब ठीक रहा। मैं पिछले महीने से कड़ी मेहनत कर रहा हूं। श्रीकांत ने कहा, बहुत लंबे समय के बाद ये जीत मिली। श्रीकांत 2017 में चार बीडब्लयूएफ खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने थे और फिर उन्होंने भारत को टीम स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। लेकिन उसके तुरंत बाद उनका संघर्ष शुरू हो गया। हालांकि वह 2019 में अच्छी फॉर्म में थे, लेकिन चोटों और कोविड-19 महामारी के कारण क्वालीफायर रद्द होने के कारण श्रीकांत तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वलीफाई करने से चूक गए।

मैं आगे कौन सा टूर्नामेंट खेलूंगा यह अभी तय नहीं

श्रीकांत इस साल की शुरुआत में थाईलैंड ओपन सुपर 300 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे जबकि उनका आखिरी सेमीफाइनल 2023 में स्विस ओपन और मकाऊ ओपन में रहा। हालांकि पिछले तीन महीनों में उन्होंने कड़ी ट्रेनिंग की और फिटनेस पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कोच आरएमवी गुरुसाईदत्त और पारुपल्ली कश्यप की निगरानी में रैलियों में तेजी लाने पर काम किया। आगे की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर श्रीकांत ने कहा, मैंने कुछ भी योजना नहीं बनाई है। यह सिर्फ शारीरिक रूप से फिट होने, चोट से मुक्त होने और फिर जितना संभव हो उतने टूर्नामेंट खेलने के बारे में है। मैं आगे कौन सा टूर्नामेंट खेलूंगा, यह तय नहीं है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ ट्रेनिंग और खुद को शारीरिक रूप से फिट रखने की बात है और अगर मैं खेलूंगा तो निि्त रूप से जीतने के लिए। मैं खुद को ठीक होने, ट्रेनिंग लेने और खेलने के लिए पर्याप्त समय देना चाहता हूं। शुरुआती गेम में श्रीकांत ने टनाका की गति का मुकाबला करने की कोशिश करते हुए कुछ गलतियां कीं और 1-5 से पीछे हो गए। कुछ बेहतरीन स्ट्रेट स्लाइस और स्मैश से इस भारतीय ने अंतर कम किया, लेकिन जापानी खिलाड़ी ने एक शानदार क्रॉस स्मैश के साथ पांच अंक की बढ़त बनाए रखी। श्रीकांत ने धीरे धीरे रैलियां बनाईं और जापान के खिलाड़ी को गलतियां करने पर मजबूर करते हुए स्कोर 8-9 कर दिया।

आईपीएल में आज

सम्मान की लड़ाई में केकेआर के सामने एसआरएच की चुनौती

नयी दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम रविवार को आईपीएल मैच में खिताबी दौड़ से बाहर हो चुकी टीम अन्य टीम एसआरएच खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश सत्र को जीत के साथ खत्म करने की होगी। इसे विडंबना ही कहें कि जब केकेआर और एसआरएच ने 2024 आईपीएल का अपना आखिरी मैच खेला था तो वह फाइनल मुकाबला था जहां श्रेयस अय्यर की टीम ने एकतरफा मैच में पैट कमिंस की टीम को मात दी थी। दोनों टीमें के सामने अपने अभियान को छठे स्थान पर रहते हुए खत्म करने की चुनौती होगी। मैच में एसआरएच का पलड़ा थोड़ी भारी होगा। इस टीम ने शुक्रवार रात को आरसीबी को 42 रन से हराया था। केकेआर ने लीग में अपना पिछला मैच सात मई को ईडन गार्डन्स में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ खेला था। पैट कमिंस इस सत्र का अंत जीत के साथ करना चाहेंगे। ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन और अनिकेत वर्मा की मौजूदगी वाला उनका मजबूत बल्लेबाजी लाइन-अप यहां कोटला मैदान में बल्लेबाजी के लिए माकूल परिस्थितियों का लुत्फ उठाना चाहेगा। रहाणे की टीम को 17 मई को आरसीबी के साथ खेलना था। लीग के एक सप्ताह के निलंबन के बाद यह पहला मैच था। बेंगलुरु में बारिश ने केकेआर की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को भी पूरी तरह से खत्म कर दिया।

मैकटोमिने व लुकाकू के गोल से नेपोली बना सीरी ए चैंपियन

रोम, एजेंसी

स्कॉट मैकटोमिने और रोमेलु लुकाकू के गोल की बदौलत नेपोली ने इटली की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग सीरी ए में कैग्लियारी पर 2-0 की जीत के साथ तीन साल में अपना दूसरा खिताब हासिल किया। नेपोली के कोच एंटोनियो कोन्टे इसके साथ ही तीन अलग-अलग टीमों के साथ सीरी ए चैंपियनशिप जीतने वाले पहले कोच बन गए।
मैकटोमिने ने मध्यांतर से पहले (42वें मिनट में) एक्रोबैटिक बाइसिकल किक से गोल किया जबकि लुकाकू ने 51 मिनट में गोल करके टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। नेपोली ने एक अंक के अंतर से इंटर मिलान को पछाड़कर यह खिताब जीता। नेपोली के 38 मैचों में 24 जीत से 82 अंक है जबकि मिलान के नाम इतने ही मैच और जीत से 81 अंक है।

लोरेंजो इस खिताब का श्रेय कोच को दिया

मिलान ने कोमो को 2-0 से हराया लेकिन यह टीम को खिताब दिलाने के लिए काफी नहीं था। नेपोली के कप्तान जियोवानी डि लोरेंजो ने इस खिताब का श्रेय कोच कोन्टे को देते हुए कहा, इसमें सभी ने योगदान दिया लेकिन सबसे अधिक योगदान कोच का था। कोन्टे के कोच रहते युवेंटस और इंटर मिलान ने सीरी ए खिताब जीते हैं जबकि उनकी देखरेख में चेल्सी प्रीमियर लीग चैंपियन बना है। कोन्टे ने इस सभी खिताबों की तुलना में नेपोली के चैंपियन बनने को सबसे अप्रत्याशित करार दिया। नेपोल का यह चौथा सीरी ए खिताब है। दिग्गज डिएगो माराडोना ने 1987 और 1990 में नेपोली को उसके शुरुआती दो खिताब दिलाए थे। विक्टर ओसिमेन और ख्विचा क्वारात्सखेलिया की मौजूदगी वाली 2023 की टीम ने पांच राउंड शेष रहते ही खिताब जीत लिया।

कान फिल्म फेस्टिवल का समापन,

खाली हाथ लौटा भारत 'होमबाउंड' ने किया निराश

फ्रांस में 78वें कान फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया, जो 13 मई से लेकर 24 मई तक चला। इस समारोह में देश-दुनिया के दिग्गज कलाकारों ने भाग लिया और अपना जलवा बिखेरा। इतना ही नहीं कान फिल्म फेस्टिवल में उल्लेखनीय फिल्में और ऐतिहासिक उपलब्धियां भी प्रदर्शित की गईं, जिसमें कई फिल्मों और कलाकारों ने अवॉर्ड जीता। भारतीय निर्देशक नीरज घेवन की %होमबाउंड% को कान में काफी सराहना मिली थी, इस कारण दर्शकों को इससे काफी उम्मीद थी। कान फिल्म फेस्टिवल में भारत की ओर से नीरज घेवन द्वारा निर्देशित फिल्म होमबाउंड की स्क्रीनिंग के दौरान उसे स्टैंडिंग अवेशन मिला था और लगभग नौ मिनट तक लगातार हॉल में तालियां बजी थी। ईशान खट्टर, विशाल जेठिया और जान्हवी कपूर अभिनीत यह फिल्म अवॉर्ड पाने की होड़ में आगे दिख रही थी, लेकिन फिल्म अन सर्टेन रिगार्ड सेक्शन में ही पिछड़ गई और इसे खाली हाथ लौटना पड़ा। इसके अलावा बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर की तन्वी द ग्रेट से भी भारत को उम्मीदें थीं, लेकिन इसे भी कोई अवॉर्ड नहीं मिला। इस बार पुरस्कार के मामले में भारत कान में सबसे पीछे रहा।

78वां कान फिल्म फेस्टिवल इराक के लिए काफी खास रहा, क्योंकि उसने अपना पहला पुरस्कार हासिल किया। हसन हादी को उनकी फिल्म 'प्रेसिडेंट्स केक' को सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फीचर फिल्म के लिए कैमरा डीओर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवॉर्ड की घोषणा होते ही, वहां मौजूद सभी लोगों ने खड़े होकर तालियां बजाकर जश्न मनाया।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

संदीप वांगा की 'स्पिरिट' में तृप्ति डिमरी की एंट्री, पहली बार पर्दे पर प्रभास के साथ आएंगी नजर

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में प्रभास के अपोजिट तृप्ति डिमरी नजर आएंगी। दीपिका पादुकोण के प्रोजेक्ट से हटने के बाद, अब मेकर्स ने ऑफिशियली तृप्ति डिमरी के नाम की घोषणा कर दी है।

एक्ट्रेस ने भी इस बात को अपने इंस्टाग्राम पर कंफर्म कर दिया है। फिल्म में शामिल किए जाने के बाद तृप्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा- अभी भी यकीन नहीं हो रहा है। इस जर्नी में शामिल करने के लिए बहुत आभारी हूं। शुक्रिया संदीप रेड्डी वांगा। आपके विजन का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। तृप्ति संदीप रेड्डी के साथ इससे पहले %एनिमल% में काम कर चुकी हैं। इस फिल्म ने उन्हें देश भर में पॉपुलर कर दिया था। %एनिमल% की वजह से उन्हें नेशनल क्रश का टैग भी मिल गया था। यह पहली बार होगा जब तृप्ति डिमरी और प्रभास एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। फिल्म की बात करें तो इस वक्त इसके प्री प्रोडक्शन का काम चल रहा है। जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।

संदीप की पहली पसंद दीपिका पादुकोण थीं

बता दें कि पहले इस फिल्म की शूटिंग साल 2024 के आखिरी में होने वाली थी लेकिन दीपिका की प्रेग्नेंसी की वजह से शूटिंग टल गई थी। मां बनने के बाद अपने बिजी शेड्यूल के कारण दीपिका ने फिल्म करने मना कर दिया था। लेकिन संदीप को दीपिका ही चाहिए थीं इसलिए उन्होंने उनके हिसाब से शेड्यूल को बदला, जिसके बाद दीपिका ने फिल्म के लिए हामी भर दी थी। कुछ ही दिन पहले ये खबर आई थी कि स्पिरिट के लिए दीपिका पादुकोण को 20 करोड़ रुपए की फीस दी गई है। दीपिका की तरफ आठ घंटे की शिफ्ट, मोटी फीस, प्रॉफिट में हिस्सा और तेलुगु में डायलॉग न बोलने जैसी डिमांड रखी गई। दीपिका 2024 के सितंबर में मां बनी हैं इसलिए वो हफ्ते में बस 5 दिन आठ घंटे की शिफ्ट चाहती थीं। एक्ट्रेस की इन सारी मांगों से संदीप खुश नहीं थे, जिसके बाद उन्होंने दीपिका को फिल्म से हटा दिया।

करण जौहर संग डेब्यू वरदान जैसा...

माय नेम इज खान फेम आदर्श ने बताया क्यों खास हैं डायरेक्टर

करण जौहर आज 53 साल के हो गए हैं लेकिन उनके साथ काम कर चुके हर व्यक्ति के लिए वो सिर्फ एक फिल्ममेकर नहीं, एक इंस्पिरेशन हैं। ऐसे ही कुछ किस्से आदर्श गौरव ने अमर उजाला के साथ हालिया बातचीत में साझा किए हैं। लगभग 13-14 साल की उम्र में करण जौहर की फिल्म माय नेम इज खान में आदर्श गौरव ने अभिनय किया था।

आदर्श गौरव कहते हैं, 'मुझे पहली बार करण सर से मिलने का मौका तब मिला जब मैं 'माय नेम इज खान' के सेट पर था। मैं मुंबई से नहीं था। जब 2007 में मुंबई आया तो आमतौर पर मॉल या सड़क पर कोई बड़ा सितारा दिखता तो अपने दोस्तों को फोन करके बताता था। करण सर से मिलना तो मेरे लिए और मेरी फैमिली के लिए एक इमोशनल मोमेंट था। मैं उस वक्त छोटा था, जब करण सर मुझे पहली बार मिले तो वे ब्लैक फुल-स्लीव टी-शर्ट में थे, जिसमें उन्होंने एक स्लीव को एल्बो तक फोल्ड किया था। साथ ही काले पैंट और बड़े लाल शेड्स पहने थे। उस वक्त मैंने सोचा था, 'माय गॉड, ये कितने लंबे हैं... ' शायद मैं उस वक्त छोटा था, इसलिए ऐसा सोचा।

पहली बार जब मैं उनसे मिला तो मैं काफी कन्फ्यूज था। हम एक पुराने बंगले के पास शूटिंग कर रहे थे। करण सर मॉनिटर पर बैठे थे और मैं उनके बगल में। वो मुझे सीन की पूरी कहानी समझा रहे थे, जैसे कि इस सीन से पहले क्या हुआ था, ताकि मैं बेहतर एक्टिंग कर सकूं। उन्होंने इतना धैर्य और लगन से मुझे समझाया कि उस वक्त मैं भले ही सब नहीं समझ पाया, लेकिन आज जब सोचता हूं तो पता चलता है कि करण सर काम को कितना दिल से करते हैं।'

70 साल के बुजुर्ग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित बापू कॉलोनी में 70 साल के बुजुर्ग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी लाश शनिवार दोपहर उनके किराए के मकान में फांसी के फंदे पर लटकी मिली। बुजुर्ग के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्राथमिक पूछताछ में पता चला कि शुक्रवार रात उन्होंने पत्नी को मछली बनाने का कहा था। मछली अच्छी नहीं बनी तो पत्नी को उन्होंने दाल बनाने का कह दिया। इस बात को लेकर विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार 70 साल के तुलसी राम दीपके मूलत~ महाराष्टः के रहने वाले हैं, लेकिन करीब पचास साल से वह भोपाल में किराए के मकान में रह रहे थे। उनके तीन बेटे हैं। बड़ा बेटा महाराष्टः में रहता है। मझला बेटा हैदराबाद में रहकर काम करता है। इसी प्रकार छोटा बेटा सुभाष नगर में चल रही साइट पर रहता है। तुलसीराम यहां अपनी 60 साल की पत्नी के साथ मनीष प्रजापति के मकान में किराए से रह रहे थे। मछली अच्छी नहीं बनी तो पत्नी से हुआ था विवाद वह इस उम्र भी पत्नी के साथ मजदूरी करने जाते थे। जो भी मजदूरी मिलती थी उस पैसों से शराब और मटन मछली में खर्च कर देते थे। उनकी पत्नी उजेला दीपके ने बताया कि शुक्रवार रात तुलसीराम शराब के नशे में घर पहुंचे। उन्होंने मछली बनाने का कहा। उन्हें मछली बनाकर दी। वे मछली खाने बैठे तो उन्हें मछली पसंद नहीं आई। वह कहने लगे कि दाल बनाकर दे। इसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के बाद वह रेलवे स्टेशन चली गई। स्टेशन पर ही उन्होंने रात बिताई। शनिवार दोपहर करीब पौने 1 बजे वह घर पहुंची तो तुलसीराम की लाश पंखे पर धोती के सहारे लटकी मिली।

चार आरोपी कोर्ट में पेश, बाल अपचारी को किशोर न्यायालय पेश किया

लाउंज पहुंचकर पिस्टल अड़ाई, बहन के बारे में गंदी बात की.. तो फ्राई पेन से किया हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर स्थित नेहरू नगर चौराहा पर हुक्का लाउंज पर युवक की हत्या कर लाश बॉक्स में रखकर वीरपुर डेम में ठिकाने लगाने आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया। इस सनसनीखेज हत्याकांड में एक बाल अपचारी भी शामिल है। जिसे किशोर न्यायालय में पेश किया गया। प्रकरण में एक अन्य आरोपी जो मृतक की बाइक को ठिकाने लगाने ले गया था उसे भी कोर्ट में पेश कर दिया गया है। अब तीन आरोपियों को पुलिस ने सोमवार तक की रिमांड पर लिया है। उनसे मृतक की पिस्टल बरामद करनी है।

लालू उर्फ अर्जुन यादव (24) सबरी नगर कमला नगर में रहता था। उसके खिलाफ 27 गंभीर अपराध दर्ज थे। मोहल्ले में रहने वाला शुभम नागेश्वर कामकाजी है उस पर कोई रिकार्ड नहीं है। शुभम ने बमुश्किल परिवार की जीविका चलाने दोस्तों के साथ मिलकर नेहरू नगर में हुक्का लाउंज खोला था। लालू और शुभम का पांच साल से विवाद चल रहा है।

दरअसल, शुभम की बहन को लालू परेशान करता था और शुभम से भी कई बार विवाद और मारपीट कर चुका था। शुभम ने हुक्का लाउंज खोला तो लालू को नागवार गुजरा। उसने शुभम से खुद कॉल कर कहा था कि तूने मेरे इलाके में हुक्का लाउंज कैसे खोल लिया और आरोपी लालू पिस्टल लेकर शुभम के हुक्का लाउंज पहुंच गया। उसने काउंटर के बाहर से पिस्टल अड़ाई और शुभम को धमकाते हुए गालीगलौज शुरू कर दी। इस बीच शुभम की बहन को लेकर गंदी टिप्पणी की। गुस्से में शुभम काउंटर में रखा फ्राई पेन निकाला और लालू पर तीन-चार वार कर दिए।

पुलिस ने इस सनसनीखेज प्रकरण में सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दिया था। वहां से नाबालिग को बाल सुधार गृह और विकास को जेल भेज दिया गया है। विकास ने ही लालू की बाइक खुशीलाल अस्पताल के पास ठिकाने लगाई थी। शुभम पुष्पराज और सुमित को सोमवार तक की रिमांड पर लिया गया है। दरअसल, यह तीनों आरोपी सीसीटीवी कैमरे में बॉक्स ले जाते हुए कैद हुए थे। बॉक्स से लाश निकालकर उन्होंने वीरपुर डेम में फेंक दी थी, जबकि बॉक्स जला दिया था। उन्होंने बताया कि लालू की पिस्टल भी वीरपुर डेम के पास फेंकी है। अब पुलिस पिस्टल बरामद करने आरोपियों को बिल्किसगंज तहसील के वीरपुर डेम लेकर जाएगी।

27 अपराध होने के बाद भी इलाके में घूम रहा था

लालू आपराधिक प्रवृत्ति का था और अपने साथ हमेशा पिस्टल रखता था। उस पर 27 अपराध दर्ज है। जिसमें कुछ अपराध में उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी हुए थे। बावजूद इसके लालू इलाके में लोगों को धमका रहा था। शुभम को भी वह परेशान कर रहा था। गिरफ्तारी वारंट होने के बाद भी पुलिस को लालू के इलाके में रहने की भनक नहीं लगी।

उल्लेखनीय है कि सबरी नगर निवासी लालू उर्फ अर्जुन यादव (24) इलाके का निगरानी बदमाश था। इसी इलाके में रहने वाले शुभम से उसका पांच साल से विवाद था। लालू की शुभम की बहन की दोस्ती थी। वह शुभम को अक्सर धमकाता था और मारपीट करता था। 19-20 मई की रात करीब साढ़े 12 बजे लालू बाइक से शुभम के हुक्का लाउंट पहुंचा था। वहां पिस्टल अड़ाकर शुभम को धमकाया। इसी बीच शुभम ने उस पर फ्राई पेन से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। बाद में उसकी लाश अपने दोस्तों के साथ मिलकर बॉक्स में भरकर वीरपुर डेम में ठिकाने लगा दी थी।

देर रात दोस्त से की मोबाइल पर बात सुबह फंदे पर लटकी मिली युवती

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित छावनी पठार में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात 19 साल की युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। देर रात वह अपने दोस्त से मोबाइल पर बात कर रही थी। फिर मां के साथ सो गई थी। सुबह मां ने अपनी बेटी को फांसी के फंदे पर लटके देखा। परिजन ने करीब छह घंटे बाद पुलिस को सूचना दी। तब तक शव घर में ही रखा रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजन को सौंप दिया है। घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है। करीब छह घंटे बाद परिजन ने दी पुलिस को सूचना, नहीं मिला सुसाइड नोट पुलिस के अनुसार छावनी पठार निवासी नेहा लोधी (19) ने तीन साल पहले पढ़ाई छोड़ दी थी। माता-पिता और भाई मजदूरी करते हैं। 22-23 मई की रात घर में नेहा के अलावा मां और छोटा भाई थी। खाना खाने के बाद भाई दूसरे कमरे में जाकर सो गया, जबकि देर रात तक वह अपने दोस्त से मोबाइल पर बात करती रही। फिर नेहा भी मां के साथ सो गई। सुबह छह बजे मां ने नेहा का फांसी के फंदे पर लटका देखा। दोपहर करीब 12 बजे सरपंच के माध्यम से घटना की सूचना दी गई। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तब युवती का शव घर पर ही रखा था। परिजन चेक कराने उसे अस्पताल नहीं ले गए थे। मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा नजर आ रहा है। युवती की-पेड मोबाल इस्तेमाल करती थी। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर जांच के लिए भेज दिया गया है।

एआईजी के शासकीय वाहन को बाइक सवार ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित पुरानी जेल के पास तेज रफ्तार बाइक सवार ने एआईजी गोपाल सिंह धाकड़ के शासकीय वाहन को टक्कर मार दी।

इस हादसे में एआईजी और उनके ड्राइवर को चोट नहीं आई, लेकिन वाहन का बंफर और ब्रेक लाइट टूट गई। हादसा बंगले से पीएचक्यू जाते समय हुआ। पुलिस ने बाइक सवार पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरक्षक सुरेन्द्र सिंह (34) 25वीं बटालियन भदभदा में रहता है और पुलिस महानिरीक्षक चयन भर्ती का शासकीय वाहन चलाता है।

उसने अरेरा हिल्स पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे वह शासकीय वाहन से एआईजी गोपाल सिंह धाकड को बंगले से पुलिस मुख्यालय लेकर जा रहा था।

वह पुरानी जेल से थोड़ा नीचे उतरा ही था कि बइाक के चालक ने तेजी और लापरवाही से बाइक चलाकर वाहन को पीछे से टक्कर मार दी।

प्रभात चौराहा से बोगदा पुल, भारत टॉकीज मार्ग एक माह के लिए बंद

भोपाल। पुल बोगदा के पास मेट्रो स्टेशन के निर्माण कार्य के चलते 28 मई से 27 जून तक करीब एक महीने के लिए ट्रैफिक डायवर्ट किया जा रहा है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने प्लान तैयार किया है। प्रभात चौराहा से बोगदा पुल, भारत टॉकीज, जिंसी धर्म कांटा और मैदा मिल की ओर आने-जाने वाला मार्ग एक महीने तक बंद रहेगा। इसके साथ ही दोपहिया वाहन के लिए बोगदा पुल से शिव मंदिर रोड तक का एक तरफ का मार्ग बंद रहेगा। पुल बोगदा के पास मेट्रो स्टेशन के निर्माण के चलते रहेगा ट्रैफिक डायवर्ट इस दौरान सभी वाहन प्रभात चैराहा से बोगदा पुल होकर भारत टॉकीज, रेलवे स्टेशन, प्लेटफार्म नंबर 6 की ओर आवागमन करने के लिए परिहार चौराहा, 80 फिट रोड, स्टेशन बजरिया तिराहा भारत टॉकीज ओवर ब्रिज संगम टॉकीज तिराहा से आवागमन कर सकेंगे। दोपहिया वाहन बोगदा पुल से भारत टॉकीज आने-जाने वाले वाहन बोगदा पुल से शिव मंदिर तक एक तरफ के मार्ग का उपयोग कर आवागमन कर सकेंगे।

अवैध हथियारों की तस्करी में लिप्त बदमाश से कट्टा-कारतूस बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

क्राइम ब्रांच पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी में लिप्त बदमाश को सब्जी मंडी करोंद के पास से देशी कट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। कट्टे में एक कारतसू भी लोडेड था। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि सीजनल फल नीलामी शेड के किनारे सब्जी मंडी करोंद के चबूतरे पर अवैध हथियारों की तस्करी में लिप्त एक लडक़ा बैठा है और वह अपनी कमर में अवैध कट्टा रखे हुए है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर लडक़े को हिरासत में ले लिया। तलाशी लेने पर उसकी कमर में खुसा देशी कट्टा बरामद हुआ। उसमें एक कारतूस भी लोड था। आरोपी का नाम जावेद (22) निवासी नवाब कॉलोनी थाना निशातपुरा बताया गया है।

मेट्रो एंकर

इशारों से जताई फोन करने की इच्छा

ट्रेन में भयभीत बैठे झारखंड के दो मूक बधिर नाबालिगों को, आरपीएफ ने किया रेस्क्यू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल रेल मंडल लगातार स्टेशनों पर ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते चला कर बच्चों का रेस्क्यू कर रही है। इसी के तहत शनिवार को भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर ड्यूटी पर तैनात आरपीएएफ के सहायक उपनिरीक्षक राघवेंद्र सिंह को नियमित गश्त के दौरान शक होने पर झारखंड के दो नाबालिक मूकबधिर बच्चों का रेस्क्यू किया है। दरसअल प्लेटफॉर्म पर खड़ी ट्रेन संख्या 07076 गोरखपुर-हैदराबाद एक्सप्रेस के जनरल कोच की जांच के दौरान दो मूकबधिर नाबालिग बालक भयभीत एवं असहाय अवस्था में दरवाजे के पास बैठे थे। स्थानीय यात्रियों से पूछताछ करने

पर कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई। इसके बाद दोनों बच्चों को सुरक्षा एवं सांत्वना प्रदान करते हुए आरपीएफ पोस्ट, भोपाल लाया गया।

इशारों से जताई फोन करने की इच्छा - आरपीएफ पोस्ट में दोनों बच्चों ने इशारों के माध्यम से फोन करने की इच्छा जताई, जिस पर तत्परता दिखाते हुए उनके परिजनों से संपर्क स्थापित किया गया। दोनों बालक प्रवीण कुमार, उम्र 14 वर्ष तथा सावन कुमार, उम्र 17 वर्ष झारखंड राज्य के देवघर जिले के निवासी हैं और 16 मई 2025 से लापता थे। इस संदर्भ में स्थानीय थाना कुंडा एवं थाना जसडीह में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने परिजनों को सूचित किया गया कि उनके बच्चे भोपाल स्टेशन पर सुरक्षित पाए गए हैं और उन्हें समुचित देखभाल प्रदान की जा रही है। बालकों को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए जयप्रकाश नारायण (जेपी) अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक जांच के उपरांत उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

समिति के अध्यक्ष धनीराम सिंह पवार एवं अन्य सदस्यों द्वारा विचारोपरांत किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 27 के अंतर्गत दोनों बालकों को अस्थाई संरक्षा के लिए एसओएस बालग्राम

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022